RNI No. MPHIN/2015/64451 डाक पंजीयन क्र. MP/IDC/1525/2019-2021 IPT डाक द्वारा प्रेषण प्रति शुक्रवार indianplasttimes@gmail.com

www.Indianplasttimes.in

इंडियन प्लास्ट टाइम्स

INDORE 02 DECEMBER TO 08 DECEMBER 2020 प्रति बुधवार वर्ष 06 अंक 15 पृष्ठ 8 कीमत 5 रु.

Inside News

लिवप्योर का 70% वॉटर रिकवरी वाला दुनिया का पहला आरओ वॉटर प्यूरीफायर लॉन्च Page 3

देश में सभी प्रमुख ब्रांड के शहद में जबरदस्त मिलावट Page 4

सबसे सस्ती SUV लॉन्च, Nissan Magnite की कीमत 4.99 लाख से शुरू Page 7

editoria!

आस बंधाते आंकड़े, कम हुई जीडीपी की गिरावट

मौजूदा वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही के भी जीडीपी आंकड़े नेगेटिव में होने और इस प्रकार भारतीय अर्थव्यवस्था के मंदी से गुजरने की औपचारिक पुष्टि हो जाने के बावजूद सरकार और अर्थशास्त्रियों की प्रतिक्रिया चिंता के बजाय राहत की है। इसका कारण यही है कि जुलाई से सितंबर की तिमाही में हालात जितने बुरे होने संभावित थे, उससे कम बुरे निकले। अप्रैल से जून वाली तिमाही में 23.9 फीसदी की ऐतिहासिक गिरावट देखने के बाद इस बार के लिए विशेषज्ञ जीडीपी में 7.9 से लेकर 8.8 फीसदी तक की गिरावट के अनुमान लगा रहे थे। खुद रिजर्व बैंक का मानना था कि गिरावट 8.6 फीसदी रहेगी। ऐसे में जब शुक्रवार को जारी आंकड़ों से पता चला कि वास्तविक गिरावट महज 7.5 फीसदी दर्ज हुई है तो इस पर थोड़ी खुशी स्वाभाविक है। ध्यान रहे, वित्त वर्ष की इस दूसरी तिमाही का एक बड़ा हिस्सा लॉकडाउन के प्रभाव में गुजरा था। तकनीकी तौर पर वह लॉकडाउन के खुलने का, यानी अनलॉक का दौर था, लेकिन आर्थिक गतिविधियां धीरे-धीरे ही शुरू हो पाईं। इस लिहाज से देखा जाए तो इसे काफी तेज रिकवरी कहा जाएगा। हां, इसके आधार पर अगर कोई अगली तिमाहियों में विकास दर के चौकड़ी भरने की उम्मीद पाल ले तो उसकी व्यावहारिकता संदिग्ध होगी। ब्यौरे में जाएं तो इस तिमाही में अर्थव्यवस्था को सबसे ज्यादा मजबूती कृषि, वानिकी और मत्स्य उत्पादन के क्षेत्रों से ही मिली है। प्राइमरी सेक्टर में रखे जाने वाले इन उद्यमों ने पहली तिमाही की ही तरह इस बार भी 3.4 फीसदी बढ़ोतरी की स्थिर दर बरकरार रखी। मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में 0.6 फीसदी की बढ़ोतरी को उत्साहवर्धक कहा जाएगा, क्योंकि पहली तिमाही में इस क्षेत्र में 39.3 फीसदी की भीषण गिरावट आई थी। यह इस बात का संकेत है कि लॉकडाउन के लंबे गैप के बाद फैक्ट्रियों में थोड़ा-बहुत उत्पादन शुरू हुआ और उनसे जुड़े लाखों लोगों की रोजी-रोटी का इंतजाम हुआ। इनके अलावा लगभग सारे ही क्षेत्रों में पहली तिमाही के मुकाबले कम, लेकिन गिरावट ही दर्ज हुई। ऐसे में रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने बिल्कुल सही कहा कि इस मोड़ पर सबसे महत्वपूर्ण सवाल यह है कि जो मांग पैदा हुई दिख रही है, वह टिकी रहेगी या नहीं। इस बिंदु पर दो-तीन ऐसे कारक मिलते हैं जो भविष्य को लेकर ज्यादा खुश होने की गुंजाइश नहीं छोड़ते। एक तो यह कि पिछली तिमाही देश के त्योहारी सीजन से ठीक पहले की थी। उस दौरान विभिन्न उपभोक्ता सामानों का जो उत्पादन हुआ, उसके पीछे यह उम्मीद थी कि त्योहारों के दौरान वे बाजार में खप जाएंगे। यह कितना हो पाया, इसका हिसाब बाद में होगा लेकिन एक बात तय है कि तीसरी-चौथी तिमाहियों में फेस्टिव सीजन जितने बड़े पैमाने के उत्पादन का जोखिम कोई उद्यमी नहीं उठाता। सरकार ने दूसरी तिमाही में जितनी उदारता से उद्यमियों की मदद की, उसमें भी समय के साथ कटौती होना तय है। तीसरा और सबसे बड़ा कारक है कोरोना का असर। बीमारी की जिस नई लहर का खतरा देश के कई हिस्सों में दिख रहा है और विदेशों में जिसका असर भारतीय निर्यात को उठने नहीं दे रहा है, वह टीके की चर्चा पर भारी पड़ सकती है। बहरहाल, इन आशंकाओं के बीच अगर हमने अपनी फैक्ट्रियों पर दोबारा ताला पड़ने की नौबत न आने दी और नौकरी छूटने का जो डर लोगों के मन में बैठ गया है, उसे घटाने में कामयाब रहे तो धीरे-धीरे बेहतरी की ओर बढ़ा जा सकता है।

RBI Monetary Policy:

रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति की बैठक शुरू

क्या आम लोगों को EMI में मिलेगी राहत?

नई दिल्ली। एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक दिसंबर की मौद्रिक समीक्षा की बैठक आज 2 दिसंबर से शुरू होने वाली है। विशेषज्ञों ने यह राय जताई है कि आरबीआई नीतिगत दरों को लगातार तीसरी बार यथावत रख सकता है। विशेषज्ञों ने कहा कि खुदरा मुद्रास्फीति की दर बढ़ने की वजह से मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) संभवतः एक बार फिर ब्याज दरों में बदलाव नहीं करेगी। रिजर्व बैंक गवर्नर शक्तिकान्त दास की अगुवाई वाली छह सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति की दो दिन की बैठक बुधवार से शुरू होकर 4 दिसंबर तक चलेगी।

खुदरा मुद्रास्फीति इस समय रिजर्व बैंक के संतोषजनक स्तर से ऊपर बनी हुई है। हालांकि, सितंबर में समाप्त चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में भी सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर नकारात्मक रही है, जिसकी वजह से केंद्रीय बैंक अपने मौद्रिक रुख को नरम रख सकता है। इससे आगे जरूरत होने पर ब्याज दरों में कटौती की जा सकती है। । बैठक के नतीजों की घोषणा चार दिसंबर को की जाएगी।

पिछली बैठक में दरों में नहीं किया था कोई भी बदलाव

एमपीसी की अक्तूबर में हुई पिछली बैठक में नीतिगत दरों में बदलाव नहीं किया गया था। इसकी वजह मुद्रस्फीति में बढ़ोतरी है जो हाल के समय में छह प्रतिशत के स्तर को पार कर गई है। रिजर्व बैंक का अनुमान है कि चालू वित्त वर्ष में देश की अर्थव्यवस्था में 9.5 प्रतिशत की गिरावट आएगी। इस साल फरवरी से केंद्रीय बैंक रेपो दर में 1.15 प्रतिशत की कटौती कर चुका है। कोटक महिंद्रा बैंक समूह की अध्यक्ष-उपभोक्ता बैंकिंग शांति एकम्बरम ने कहा, मुद्रास्फीति लगातार रिजर्व बैंक के मध्यम अवधि के लक्ष्य चार प्रतिशत से ऊपर बनी हुई है। ऐसे में आगामी मौद्रिक समीक्षा में ब्याज दरों में कटौती की गुंजाइश सीमित है। हालांकि त्योहारी सीजन की वजह से उपभोक्ता मांग में उत्साहवर्धक

सुधार देखने को मिला है। क्रिसिल के मुख्य अर्थशास्त्री धर्मकीर्ति जोशी ने कहा कि रिजर्व बैंक नीतिगत समीक्षा में ब्याज दरों को यथावत रखेगा।

इसी तरह की राय जताते हुए केयर रेटिंग्स के मुख्य अर्थशास्त्री मदन सबनवीस ने कहा, मुद्रास्फीति अब भी काफी ऊपर है। ऐसे में रिजर्व बैंक के पास नीतिगत दरों को यथावत रखने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। इसके अलावा भी चालू वित्त वर्ष के लिए ब्याज दरों में कटौती की गुंजाइश काफी हद तक समाप्त हो चुकी है। ब्रिकवर्क रेटिंग्स के मुख्य आर्थिक सलाहकार एम गोविंदा राव ने कहा कि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति अब काफी अधिक है। ऐसे में एमपीसी द्वारा ब्याज दरों में बदलाव की संभावना नही है। रियल एस्टेट सलाहकार एनारॉक के चेयरमैन अनुज पुरी ने का कि रियल एस्टेट की वृद्धि निचली ब्याज दरों पर टिकी है। ऐसे में हम चाहते हैं कि रेपो दर में कटौती हो।

आंदोलन के बीच किसानों के लिए चीन से खुशखबरी

तीन दशक में पहली बार चीन ने भारत से खरीदा चावल

नई दिल्ली। एजेंसी

अभी पूरे देश में किसान का मुद्दा छाया हुआ है। पिछले दिनों संसद में पास किसान बिल के खिलाफ किसान दिल्ली में प्रदर्शन कर रहे हैं। सरकार का कहना है कि इससे किसानों को ज्यादा लाभ मिलेगा और उन्हें बाजार की सही कीमत मिलेगी। इस बीच न्यूज एजेंसी रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक सीमा विवाद के बीच चीन ने तीन दशकों में पहली बार भारत से चावल का आयात शुरू किया है। उसे यहां काफी सस्ता चावल मिल रहा है। भारत चावल का सबसे बड़ा निर्यातक है। चीन चावल का विश्व में सबसे बड़ा आयातक है। बीजिंग हर साल करीब 4 मिलियन टन चावल की खरीदारी करता है। हालांकि वह भारत से खरीदारी नहीं करता था। इसके लिए क्वॉलिटी को जिम्मेदार बताया जाता था। भारतीय चावल की क्वॉलिटी में सुधार के बाद उसने सीमा पर जारी विवाद के बीच भी खरीदारी करने का फैसला किया है। राइस एक्सपोर्ट असोसिएशन के प्रेसिडेंट ॅ्र कृष्णा राव ने कहा कि हमें उम्मीद है कि आने वाले सालों में चीन भारत से और ज्यादा चावल की खरीद करेगा। भारतीय व्यापारियों ने 1 लाख टन टूटा चावल चीन को निर्यात करने का कॉन्ट्रैक्ट किया है। यह शिपमेंट दिसंबर-फरवरी महीने के लिए है। कीमत 300 डॉलर प्रति क्विंटल होगी। अभी तक चीन मुख्य रूप से थाइलैंड, वियतनाम, म्यांमार और पाकिस्तान से चावल का आयात किया करता था। भारत के मुकाबले वे प्रति टन 30 डॉलर रेट ज्यादा लगाते थे।

सरकार ने 49 रसायन उत्पादों के कर बीजक में आठ अंक के एचएसएन कोड के उल्लेख को अनिवार्य किया

नयी दिल्ली। एजेंसी

सरकार ने माल एवं सेवा कर (जीएसटी) का बिल या चालान जारी करते समय 49 रसायन आधारित उत्पादों के आठ अंक के एचएसएन अथवा शुल्क कोड के उल्लेख को अनिवार्य कर दिया है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस कदम से कर चोरी रोकने में मदद मिलेगी। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने इन उत्पादों के लिए एचएसएन कोड को अधिसूचित करते हुए कहा, ''किसी पंजीकृत व्यक्ति को उसके द्वारा जारी कर बीजक में आठ अंक के एचएसएन कोड का उल्लेख करना होगा।'' अभी तक कारोबारियों को बिल जारी करते समय चार अंक के टैरिफ कोड का उल्लेख करने की जरूरत होती है। व्यापार की भाषा में प्रत्येक उत्पाद को एचएसएन (हार्मोनाइज्ड सिस्टम ऑफ नोमेनक्लैचर) में वर्गीकृत किया जाता है। इससे वैश्विक स्तर पर वस्तुओं के प्रणालीगत तरीके से वर्गीकरण में मदद मिलती हैं एएमआरजी एंड एसोसिएट्स के वरिष्ठ भागीदार रजत मोहन ने कहा कि सीबीआईसी ने अधिसूचित किया है कि विशेष प्रकार के रसायन के सभी आपूर्तिकर्ताओं के लिए एक दिसंबर, 2020 से कर चालान में आठ अंक के एचएसएन कोड का उल्लेख करना जरूरी होगा। बेशक आपूर्तिकर्ता के परिचालन का स्तर कितना भी हो। मोहन ने कहा, ''यह पहली अधिसूचना है जिसमें विशेष श्रेणी के आपूर्तिकर्ताओं के लिए एचएसएन कोड का उल्लेख करना अनिवार्य किया गया है। हालांकि, विशेष प्रकार के आपूर्तिकर्ताओं को 'घेरने' की कोई वजह नहीं है, लेकिन ऐसा लगता है कि यह कदम फर्जी बिलों पर अंकुश के लिए उठाया गया है।''

भारत ने सऊदी तेल संयंत्र पर मिसाइल हमले की निंदा की

नयी दिल्ली। एजेंसी

भारत ने मंगलवार को सऊदी अरब के जेद्दा शहर में अरामको तेल कंपनी की इकाई को निशाना बनाकर किए गए मिसाइल हमले की कड़ी निंदा की। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अनुराग श्रीवास्तव ने कहा कि भारत इस तरह के हमलों के खिलाफ सऊदी अरब की सरकार और वहां के लोगों के साथ एकजुटता के साथ खड़ा है। उन्होंने कहा,"हम 23 नवंबर को सऊदी अरब के जेद्दा में सऊदी अरामको तेल संयंत्र को निशाना बनाकर किए गए मिसाइल हमले की कड़ी निंदा करते हैं। हम ऐसे किसी भी हमले के खिलाफ सऊदी अरब की सरकार और वहां के लोगों के साथ एकजुटता के साथ खड़े हैं।' श्रीवास्तव इस मुद्दे पर मीडिया के सवालों का जवाब दे रहे थे। पिछले साल भी कई सऊदी तेल इकाइयों पर ड्रोन और मिसाइलों का इस्तेमाल कर हमला किया गया था। यमन के हुथी अलगाववादियों ने पिछले हफ्ते हुए हमले की जिम्मेदारी ली थी।

किस-किस ने लगाई है बीपीसीएल के लिए बोली, पेट्रोलियम मंत्री ने बताया

नई दिल्ली। एजेंसी

सरकार को देश की दूसरी सबसे बड़ी पेट्रोलियम कंपनी भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (BPCL) की नियंत्रक हिस्सेदारी की बिक्री के लिए तीन शुरुआती बोलियां मिली हैं। पेट्रोलियम मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने बुधवार को यह जानकारी दी। खनन से लेकर तेल क्षेत्र में कार्यरत वेदांता ने 18 नवंबर को इस बात की पुष्टि की है कि उसने बीपीसीएल में सरकार की 52.98 प्रतिशत हिस्सेदारी के अधिग्रहण के लिए रुचि पत्र (EOI) दिया है। बीपीसीएल के लिए बोली लगाने वाली दो अन्य कंपनियों में वैश्विक कोष (Global Fund) हैं। इनमें से एक अपोलो ग्लोबल मैनेजमेंट है।

प्रधान ने एक वेबिनार को संबोधित करते हुए कहा कि दीपम ने हाल में बाजार को यह सूचना दी है। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि तीन पक्षों ने बोली प्रक्रिया के लिए ईओआई दिया है।' हालांकि, उन्होंने इसका और ब्योरा नहीं दिया। इस रणनीतिक बिक्री का प्रबंधन कर रहे निवेश एवं लोक संपत्ति प्रबंधन विभाग (DIPAM) के सचिव तुहिन कांत पांडेय ने 16 नवंबर को बोली की अंतिम तारीख के दिन ट्वीट किया था कि सौदे के सलाहकार ने सूचित किया है कि इस रणनीतिक बिक्री के लिए कई पक्षों ने रुचि दिखाई है।

कुछ कंपनियों का निजीकरण

प्रधान ने कहा कि सरकार सार्वजनिक क्षेत्र की कुछ कंपनियों का निजीकरण करने की योजना बना रही है। इससे इन कंपनियों की प्रतिस्पर्धी क्षमता बेहतर होगी और उन्हें पेशेवर बनाया जा सकेगा। बीएसई में सूचीबद्ध वेदांता लिमिटेड और उसकी लंदन की मूल कंपनी वेदांता रिसोर्सेज द्वारा गठित विशेष इकाई (SPV) ने 16 नवंबर को बोली की समय सीमा समाप्त होने से पहले अपना ईओआई (EOI) जमा कराया है।

आयकर विभाग ने आठ महीने में 59.68 लाख करदाताओं को वापस किये 1.40 लाख करोड़ रुपये

नयी दिल्ली। एजेंसी

आयकर विभाग ने चालू वित्त वर्ष में एक दिसंबर तक 59.68 लाख से अधिक करदाताओं को 1.40 लाख करोड़ रुपये वापस किये हैं। इसमें व्यक्तिगत आयकर मद में 38,105 करोड़ रुपये और कंपनी कर की मद में 1.02 लाख करोड़ रुपये लौटाये गये। आयकर विभाग ने ट्विटर पर लिखा है, "सीबीडीटी केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड ने एक अप्रैल, 2020 से एक दिसंबर, 2020 के दौरान 59.68 लाख से अधिक करदाताओं के 1,40,210 करोड़ रुपये लौटाये। इसमें से 57,68,926 मामलों में आयकर मद में 38,105 करोड़ रुपये जबकि कंपनी कर की मद में 1,99,165 मामलों में 1,02,105 करोड़ रुपये लौटाये गये।"

ऊषा इंटरनेशनल ने उच्चर प्रदर्शन वाले पेडेस्टल, वॉल और एग्जॉस्ट पंखे पेश किए

नए उत्पांद बेहतरीन तकनीक, बेहद उच्चप एयर डिलिवरी और आधुनिक डिजाइन से सुसज्जित हैं

नई दिल्ली। भारत के उपभोक्ता उत्पादों के प्रमुख ब्रांड ऊषा इंटरनेशनल ने नए पेडेस्टल, वॉल और एग्जॉस्ट पंखों की पेशकश के साथ अपने पंखों की श्रृंखला का विस्तार किया है। नए पेश किए गए उत्पालदों में पेंटाकूल वॉल और पेडेस्टल पंखे, कोलोसस वॉल और पेडेस्टल पंखे और स्ट्राइकर के उच्च गति वाले एग्जॉस्ट पंखे शामिल हैं।

पेंटाकूल 5-ब्लेड वॉल और पेडेस्टल पंखे

पेंटाकूल पंखे काफी बेहतरीन परफॉर्मेंस देते हैं और चलते समय बिल्कुल भी आवाज नहीं करते। ये 5 ब्लेड के पंखे पारदर्शी एबीएस ब्लेड के साथ आते हैं। ये प्रकाश को आर-पार जाने की इजाजत देते है। इससे किसी भी कमरे का लुक काफी खूबसूरत हो जाता है। 85 क्यूबिक मीटर प्रति मिनट की रफ्तार से यह कमरे में उच्चप एयर डिलिवरी का वादा करते हैं, जिसके नतीजे के तौर पर पंखों की परफॉर्मेंस और क्षमता में भी काफी निखार आता है। इसके अलावा ऊषा के पंखों की रेंज में 3 ब्लेड के परंपरागत पेडेस्टल और वॉल पंखे भी हैं।

इनकी स्पीड (गति) 1350 आरपीएम है। इसमें 100 फीसदी कॉपर की मोटर लगी है। इसके एबीएस ब्लेड पंखों के लंबे जीवन और सुहानी और ठंडी हवा देना सुनिश्चित करते हैं। पेंटाकूल दो रंगों में उपलब्ध है, नीले ब्लेड के साथ सफेद बॉडी और ब्लैक बॉडी के साथ ब्लैक ब्लेड्स।

कोलोसस के वॉल और पेडेस्टल पंखे

कोलोसस की नई ट्रेंडी श्रृंखला के वॉल और पेडेस्टल पंखों को जंगरोधी अल्युमिनियम ब्लेड्स से खासतौर से डिजाइन किया गया है। यह 1320 आरपीएम की रफ्तार से 92स्3/मिनट के हिसाब से हवा फेंकते हैं। इससे उच्च आर्द्रता वाले तटीय क्षेत्रों में असरदार ढंग से माहौल में ठंडक बनी रहती है। यह तीन आकर्षक मैटेलिक रंगों, लाल, सुनहरे और नीले में आते हैं। कोलोसस वॉल और पेडेस्टल पंखों की श्रृंखला आपके कमरे की खबसूरती को पूरी तरह निखार देती है। इस श्रृंखला के पंखों में 100 फीसदी कॉपर की मोटर लगी है। इसमें थर्मल ओवरलोड प्रोटेक्शन फ्यूज है, जिससे इन पंखों के लंबी लाइफ का आश्वासन मिलता है।

स्ट्राइकर एग्जॉस्ट पंखे

यह दो आकारों, 150 एमएम और 200 एमएम में उपलब्ध है। ऊषा के उच्चक गति वाले स्ट्राइकर एग्जॉस्ट पंखे 450 क्यूबिक मीटर प्रति घंटे (6") और 800 क्यूबिक मीटर प्रति घंटे (8") की रफ्तार से दूषित हवा को साफ करते हैं। यह पंखे 2350 आरपीएम (6") और 2100 आरपीएम (8") की बेहद उच्चो गति से चलते हैं। यह एग्जॉस्ट पंखे रेगुलर एग्जॉस्ट पंखों की तुलना में आपको तेजी से 70 फीसदी ताजगी का अहसास दिलाने का वादा करते हैं। यह कम आवाज करने के लिए बॉल बियरिंग से लैस होते हैं। इन पंखोंमें जाम होने की समस्या भी कम आती है।

रोल्स-रॉयस, इन्फोसिस के बीच भारत में वैमानिकी इंजीनियरिंग के लिए करार

बेंगलुरु। आईपीटी नेटवर्क

रॉल्स- रॉयस और इन्फोसिस ने भारत में वैमानिकी इंजीनियरिंग क्षेत्र के लिए करार किया है। दोनों कंपनियों ने बुधवार को बयान में कहा कि भारत में रोल्स-रॉयस के असैन्य वैमानिकी कारोबार के लिए इंजीनियरिंग और शोध एवं विकास सेवाएं जुटाने को यह करार किया गया है। संयुक्त बयान में कहा गया है कि कुल भागीदारी के तहत रॉल्स -रॉयस बेंगलुरु में अपने इंजीनियरिंग केंद्र की असैन्य वैमानिकी क्षमताओं का एक उल्लेखनीय हिस्सा इन्फोसिस को स्थानांतरित करेगी। बयान में कहा गया है कि मुख्य इंजीनियरिंग सेवाओं, डिजिटल परिवर्तन क्षमताओं और भागीदारियों के जरिये हासिल रोल्स-रॉयस के उत्पाद ज्ञान के आधार पर इन्फोसिस द्वारा हाईएंड इंजीनियरिंग और शोध एवं विकास सेवाएं डिजिटल सेवाओं के एकीकरण साथ रोल्स-रॉयस को उपलब्ध कराई जाएंगी।

खाताबूक का पगारखाता ऐप' स्टोरकीपर को स्टाफ अटेंडेंस और वेतन को फ़ोन पर मैनेज करने में मदद करता है

ये मोबाइल-फर्स्ट ऐप, मर्चेंट मैनेजमेंट ऑपरेशन के साथ 13 भाषाओं में उपलब्ध

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

भारत के सबसे तेज़ी से बढ़ते फिनटेक स्टार्ट-अप, खाताबूक ने, एक नया कर्मचारी मैनेजमेंट प्लेटफार्म, पगारखाता ऐप लॉन्च किया है। एप्लिकेशन मासिक/प्रति घंटा वेतन, उपस्थिति/अवकाश, सैलरी स्लिप, सैलरी कैलकुलेशन, भुगतान, इत्यादि जैसे कार्यबल से संबंधित कार्यों को डिजिटल रूप से प्रबंधित करने में मदद करता है।

पगारखाता ऐप 13 भाषाओं में उपलब्ध उपयोगकर्ता-अनुकूल इंटरफेस से लैस है, जो भाषाई पृष्ठभूमि के कारोबार मालिकों के लिए परेशानी मुक्त पहुँच को सक्षम बनाता है। यह एप्लिकेशन वर्तमान में एंड्रॉयड उपकरणों के लिए उपलब्ध है।सैलरी मैनेजमेंट और अटेंडेंस ट्रैकिंग की सुविधा के साथ पगारखाता, खाताबूक ऐप की सबसे ज़रूरी सुविधा फाइनेंशियल मैनेजमेंट कैपबिलटी का ही एक्सटेंशन है। खाताबूक ऐप के यूज़र बेस ने अभी से ही पगारखाता ऐप को इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है। पगारखाता ऐप के साथ बिज़नेस, स्टाफ़ रिकॉर्ड को मैनेज और मेन्टेन करने, व्यक्तिगत स्टाफ़ के पेमेंट साइकिल में तेज़ी लाने, मतभेद को कम करने, वेतन के कैलकुलेशन में मानवीय गलतियों को खत्म करने, डिजिटली सैलरी का पेमेंट करने और स्टाफ मैनेजमेंट से संबंधित इसी तरह के और भी कई कामों को आसान बनाने में लगने वाले समय की बचत कर सकते हैं। इस ऐप का उद्देश्य, रोज़ाना के ऑपरेशन को व्यवस्थित करके और प्रॉडक्टिव ऑउटपुट पर एक पॉज़िटिव असर डालकर, भारत में MSME इकोसिस्टम बनाना है। खाताबूक के सह-संस्थापक, और सीईओ, रवीश नरेश, ने इसके लॉन्च के अवसर पर कहा कि - 'भारत के श्एर्ई को डिजिटल रूप से सक्षम बनाने के लिए पगारखाता हमारे मिशन की ओर बढ़ाया गया एक कदम है। स्टाफ़ मैनेजमेंट प्लेटफार्म डिजिटल दुनिया के लिए एक नई अवधारणा नहीं है। लेकिन अब तक, इस तरह के प्लेटफॉर्म केवल संगठित व्यवसायों और कॉर्पोरेट्स की आवश्यकताओं को पूरा करते हैं। छोटे किराना स्टोर, सैलून, बिजली की दुकानों जैसे अन्य कई व्यापारियों को भी अपने कार्यबल प्रबंधन के लिए डिजिटल समाधान की आवश्यकता है। पगारखाता ऐप, मोबाइल-फर्स्ट अप्रोच और इस सेगमेंट के लिए खासतौर से डिज़ाइन किये गए आसान यूज़र इंटरफ़ेस के साथ, श्एर्ई वर्कफोर्स मैनेजमेंट की ज़रूरतों को पूरा करने के लिए एक डिजिटल सॉल्यूशन है।'

पगारखाता ऐप के साथ शुरुआत करना बेहद आसान है:

1.ऐप डाउनलोड करें

2. अपना व्यक्तिगत और व्यावसायिक विवरण दर्ज करें

3. अपने कर्मचारियों का विवरण दर्ज करें और फोन पर कर्मचारियों के डिजिटल प्रबंधन के साथ शुरू करें

लिवप्योर का 70% वॉटर रिकवरी वाला दुनिया का पहला आरओ वॉटर प्यूरीफायर लॉन्च

नया इनोवेशन पेश किया

मुंबई। आईपीटी नेटवर्क

एक स्वस्थ और स्थायी जीवन देने में फ्रंटरनर, लिवप्योर ने अब तक एक और भविष्य रेंज को लॉन्च किया है, जो आरओ (रिवर्स ऑस्मोसिस) आधारित वाटर प्यूरीफायर है एक बड़ी सफलता प्राप्त की है। एशियन डेवलपमेंट बैंक के पूर्वानुमान के अनुसार 2030 तक भारत में 50 प्रतिशत पानी की कमी होगी। लिवप्योर ने जल संरक्षण के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए अतीत में #CuttingPaani और #RiversInABottle जैसे कई कैम्पेन चलाए हैं। यह आरओ मौजूदा आरओ में उपलब्ध 25% से 30% रिकवरी के मुकाबले 70% पानी रिकवर करेगा। इससे प्रति वर्ष लगभग 20,000 लीटर पानी की बचत होगी, जिससे भारत और दुनिया के कई देशों में पानी के संरक्षण में एक बड़ा योगदान है।

लिवप्योर ने जिंगर और प्लैटिनो प्लस कॉपर लॉन्च किया है, जो 70% पानी रिकवर करता है और कंज्यूमर्स के लिए पैसे के लिए ग्रेट वैल्यू देता है। प्रीमियम मॉडल मैग्ना चुनिंदा बाजारों और चैनलों में 80% रिकवरी के साथ उपलब्ध है। इसे जल्द ही राष्ट्रीय स्तर पर लॉन्च किया जाएगा। उच्च स्तर पर पानी की रिकवरी देने वाले इस आविष्कार के लिए पेटेंट का आवेदन किया गया है।

लॉन्च पर बोलते हुए लिवप्योर के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर, नवनीत कपूर ने कहा, 'पानी की कमी दुनिया भर में आई खास तौर पर भारत की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है। हमने 4 साल पहले आरओ-बेस्ड वॉटर प्यूरीफायर से जुड़े कम रिकवरी के मुद्दे को हल करने के लिए निवेश करना शुरू किया था। लिवप्योर 2017 से दोनों सरकारों से समर्थित इंडिया इजरायल इनोवेशन ब्रिज के माध्यम से इज़राइल में कई इनोवेशन प्रोजेक्ट्स को प्रायोजित कर रहा है। इससे हमें आरओ बनानेमेंमदद मिली, जो पानी की रिकवरी सुधारता है और भारतीय जल स्थितियों के लिए सबसे उपयुक्त हैं। भारतीय उपभोक्ताओं को इनोवेटिव उत्पाद डिलीवर करने के लिए लिवप्योर ने लगातार आरएंडडी में निवेश किया है। लिवप्योर में हम काफी उत्साहित हैं कि स्मार्ट और इनोवेटिव प्रोडक्ट्स के माध्यम से सम्पूर्ण सुरक्षा देने के अलावा, हम अब उपभोक्ताओं को जल संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए सशक्त है।

भारत के तेल, गैस क्षेत्रों में हिस्सेदारी खरीदने के लिए बात कर रही है एक्सॉन : प्रधान

नयी दिल्ली। एजेंसी

पेट्रोलियम मंत्री धर्मेंद प्रधान ने कहा है कि ऊर्जा क्षेत्र की दिग्गज कंपनी एक्सॉन मोबिल कॉरपोरेशन भारत के तेल एवं गैस उत्पादक क्षेत्रों में हिस्सेदारी खरीदने के लिए बातचीत कर रही है। एक्सॉन मोबिल ने पिछले साल अक्टूबर में सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी ऑयल एंड नैचुरल गैस कॉरपोरेशन (ओएनजीसी) के साथ सहमति ज्ञापन (एमओयू) किया था। एमओयू के तहत एक्सॉन ने अपतटीय ब्लॉकों में संसाधनों के विकास के लिए विशेषज्ञता और प्रौद्योगकी की पेशकश की है। प्रधान ने बुधवार को स्वराज्य पत्रिका द्वारा आयोजित वेबिनार श्रृंखला 'आत्मनिर्भर भारत का मार्ग' को संबोधित करते हुए कहा कि भारत छोटी और मध्यम आकार की कंपनियों को खोज और उत्पादन में शामिल करने के टेक्सास मॉडल के जरिये घरेलू स्तर पर तेल एवं गैस का उत्पादन बढ़ाना चाहता है। प्रधान ने कहा, ''2014 तक तेल एवं गैस खोज और उत्पादन के लिए कुल 90,000 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र दिया गया था। छोटे खोजे गए क्षेत्रों (डीएसएफ) की नीलामी के दो दौर और मुक्त क्षेत्र लाइसेंसिग नीति (ओएएलपी) के पांच दौर के तहत 1.65 लाख वर्ग किलोमीटर अतिरिक्त क्षेत्र की पेशकश की गई है।'' प्रधान ने कहा, ''अमेरिका में शैल तेल और गैस क्रांति बड़ी कंपनियां नहीं लाई हैं। छोटी कंपनियों ने टेक्सास के शैल तेल और गैस क्षेत्र का विकास किया है। हम भारत में भी इसी परिदृश्य पर काम कर रहे हैं और बड़ी संख्या में छोटी और मध्यम आकार की कंपनियों को इसमें जोड़ रहे हैं।''

कोविड-19 की वजह से मांग घटने के बीच पेन निर्माताओं को जीएसटी की समस्या

कोलकाता। एजेंसी

करीब 2,000 करोड़ रुपये का लेखन सामान या पेन उद्योग को कोविड-19 महामारी के कारण मांग की कमी के साथ-साथ कराधान संबंधी मुद्दों की दोहरी मार झेलनी पड़ रही है। महामारी के कारण अधिकांश शिक्षण संस्थानों के बंद होने से मांग में कमी आई है। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी है। पेन निर्माताओं ने केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड से संपर्क किया है, जिसमें उनकी ओर से आरोप लगाया गया है कि इस उत्पाद पर 12 प्रतिशत जीएसटी लगाया गया है, लेकिन कुछ अधिकारी अधिसूचनाओं की गलत व्याख्या करते हुए पेन के कैप, क्लिप और रिफिल जैसे सामानों पर 18 प्रतिशत कर लगा रहे हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि मौजूदा अधिसूचनाएं पेन और उसके अन्य सामानों के बीच कर में कोई भेदभाव नहीं करती हैं। कलकत्ता पेन मैन्युफैक्चरर्स एंड डीलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष नरेश जालान ने पीटीआई-भाषा से कहा, ''गलत व्याख्या का मसला वर्ष 2020 के शुरुआती दिनों में सामने आया लेकिन महामारी के दौरान यह समस्या और बढ़ गई है।'' उन्होंने कहा, ''उद्योग की मांग में 50 प्रतिशत की गिरावट देखी गई है क्योंकि शिक्षण संस्थान बंद हैं और 'घर से काम' करने की अवधारणा को लोग चुन रहे हैं।'' पेन उद्योग की ओर से अखिल भारतीय व्यापर मंडल महासंघ के सचिव वी के बंसल ने कहा कि केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड को एक ज्ञापन दिया गया है, जिसमें उससे अनुरोध किया गया है कि वे अपने सभी क्षेत्रीय आयुक्त कार्यालयों को अधिसूचना के अनुसार कर लगाने की सलाह दें।

AePS और माइक्रो एटीएम सेवाओं के साथ देश में ATMs की कमी को दूर कर रहा है रैपीपे

नए AePS ऑफ़र के साथ 1 करोड़ से अधिक ग्राहकों तक पहुंचने का लक्ष्य

नई दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

देश के सभी लोगों को बैंकिंग और वित्तीय सेवाओं से जोड़ने की दिशा में किए जा रहे गहन प्रयासों के साथ, रैपीपे फिनटेक प्राइवेट लिमिटेड ने हाल ही में एक देशव्यापी ऑफ़र लॉन्च किया है, जिसके माध्यम से कंपनी द्वारा अपने एजेंटों, यानी 'रैपीपे साथियों' को AePS सेवाओं पर अधिकतम कमीशन दिया जा रहा है। यह ऑफ़र जनवरी 2021 के मध्य तक लागू रहेगा। रैपीपे AePS और यह व्यवस्था आधार-कार्ड से नकद निकासी सेवाओं को सुलभ बनाकर समाज के हर तबके के लोगों को सशक्त बनाती है। यह पेमेंट सिस्टम पूरी तरह सुरक्षित तथा उपयोगकर्ताओं के बेहद सुविधाजनक है, जो यह सुनिश्चित करती है कि रैपीपे साथियों के माध्यम से आप देश में कहीं भी और कभी भी पैसे निकाल सकते हैं, भुगतान कर सकते हैं तथा खाता विवरण डाउनलोड कर सकते हैं। रैपीपे AePS न केवल बैंकिंग सेवाओं को ग्राहकों के लिए बेहद आसान बनाता है, बल्कि यह अपने एजेंटों को बाकी फिनटेक कंपनीयों के मुकाबले सबसे ज्यादा कमीशन भी देता है। कंपनी हर ट्रांजैक्शन पर 3 रुपये का इंक्रीमेंटल कमीशन देगी, जो आधार एटीएम उद्योग जगत में अब तक का सबसे अधिक कमीशन है। इस पहेल पर अपने विचार व्यक्त करते हुए, श्री योगेन्द्र कश्यप, सीईओ, रैपीपे ने कहा, 'हम ''इए सेवाओं पर इंक्रीमेंटल इन्सेंटिव दे रहे हैं जो दुकानदारो के लिए एक सुनहरा अवसर है, यह हमारे एजेंटों के साथ-साथ आम लोगों को भी सकारात्मक रूप से प्रभावित करेगा। मौजूदा कोविड-19 की इस घड़ी में, रैपीपे अपने साथियों को अधिकतम कमीशन प्रदान करते हुए उनकी सहायता करना चाहता है, क्योंकि इसके माध्यम से उन्हें सामान्य की तुलना में 12 गुना अधिक कमाई करने का मौका मिलेगा। उम्मीद है कि इस योजना के जरिए 1 करोड़ से अधिक AePS ट्रांजैक्शन किए जाएंगे, जिसका मतलब यह है कि 1 करोड़ से ज्यादा ग्राहक पारंपरिक एटीएम या बैंक शाखा गए बिना ही बड़ी आसानी से नगर पैसे निकाल पाएंगे।

RapiPay Simple hai!

AePS AADHAAR ENABLED PAYMENT SYSTEM

CSE का खुलासा

देश में सभी प्रमुख ब्रांड के शहद में जबरदस्त मिलावट

नई दिल्ली। एजेंसी

यह खबर पढ़ कर आपको भारी झटका लग सकता है। अपने यहां शहद (Honey) को अमृत तुल्य माना गया है। इसका उपयोग औषधी के रूप में भी खूब होता है। लेकिन इसमें जबरदस्त मिलावट की जा रही है। यह हालत सिर्फ सड़क किनारे भगोने में बिकने वाले शहद की नहीं, बल्कि नामी गिरामी ब्रांडेड शहद की भी है। यह खुलासा सेंटर फार साइंस एंड एनवॉयरामेंट (CSE) ने किया है। CSE की महानिदेशक सुनीता नारायण ने आज इसका यहां खुलासा किया। उन्होंने बताया कि भारतीय बाजारों में बिक रहे शहद के लगभग सभी ब्रांडों में जबरदस्त तरीके से शुगर सिरप (Sugar syrup) की मिलावट हो रही है। उलेखनीय है कि इसी संगठन ने वर्ष 2003 और 2006 के दौरान सॉफ्ट ड्रिंक में कीटनाशक की उपस्थिति का खुलासा किया था।

यह फूड फ्रॉड है

सुनीता नारायण का कहना है कि शहर में शुगर सिरप की मिलावट खाद्य धोखाधड़ी (इदद् ईं्) है। यह 2003 और 2006 में सीएसई द्वारा सॉफ्ट ड्रिंक में की गई मिलावट की खोजबीन से ज्यादा कुटिल और ज्यादा जटिल है। लोग इस समय जानलेवा कोविड-19 के खिलाफ जंग लड़ रहे हैं और इससे बचने का कोई रास्ता नहीं है। ऐसे कठिन समय में भोजन में चीनी का जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल (Overuse) हालात को और भयावह बना देगा।

भारत और जर्मनी की प्रयोगशालाओं में हुआ है परीक्षण

संगठन का कहना है कि यह रिपोर्ट भारत और जर्मनी की प्रयोगशाला में हुए अध्ययनों पर आधारित है। सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरमेंट द्वारा की गई यह गहरी पड़ताल बताती है कि भारत के सभी प्रमुख ब्रांड के शहद में जबरदस्त मिलावट की जा रही है। 77 फीसदी नमूनों में शुगर सिरप की मिलावट पाई गई है अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वीकार्य न्यूक्लियर मैग्नेटिक रेजोनेंस स्पेक्ट्रोस्कोपी (ऋ्रँ) परीक्षण में 13 ब्रांड में सिर्फ 3 ब्रांड ही पास हुए। उनका कहना है कि शहद के शुद्धता की जांच के लिए तय भारतीय मानकों के जरिए मिलावट को नहीं पकड़ा जा सकता, क्योंकि चीन की कंपनियां ऐसे शुगर सिरप तैयार कर रही हैं जो भारतीय जांच मानकों को आसानी से खरे उतरते हैं।

इस समय भारतीय कुछ ज्यादा ही सेवन कर रहे हैं शहद का

कोविड-19 संकट के वक्त भारतीय कुछ ज्यादा ही शहद का सेवन कर रहे हैं, क्योंकि उनका विश्वास है कि विषाणु से लड़ने के लिए यह अच्छाइयों की खान है। मसलन एंटीमाइक्रोबियल और एंटी इंफ्लेमेटरी गुणों के साथ इसमें प्रतिरक्षा (Immunity) को बनाने की क्षमता है। लेकिन, यदि शहद ही मिलावटी है तो असल में हम चीनी खा रहे हैं। यह मोटापा और अत्यधिक वजन की चुनौती को बढ़ाता है और जो अंततः हमें गंभीर कोविड-19 संक्रमण के जोखिम की ओर ले जाता है।

तहकीकात में क्या पाया गया

सीएसई के फूड रिसर्चर ने भारतीय बाजार में बिकने वाले 13 शीर्ष और छोटे ब्रांड वाले प्रोसेस्ड शहद को चुना। इन ब्रांड के नमूनों को सबसे पहले गुजरात के राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (NDDB) में स्थित सेंटर फॉर एनालिसिस एंड लर्निंग इन लाइवस्टॉक एंड फूड (CALF) में जांचा गया। लगभग सभी शीर्ष ब्रांड (एपिस हिमालय छोड़कर) शुद्धता के परीक्षण में पास हो गए, जबकि कुछ छोटे ब्रांड इस परीक्षण में फेल हुए, उनमें सी3 और सी4 शुगर पाया गया, यह शुगर चावल और गन्ने के हैं। लेकिन जब इन्हीं ब्रांड्स को न्यूक्लियर मैग्नेटिक रेजोनेंस (NMR) परीक्षण पर परखा गया तो लगभग सभी ब्रांड के नमूने फेल पाए गए। एनएमआर परीक्षण वैश्विक स्तर पर मोडिफाई शुगर सिरप को जांचने के लिए प्रयोग किया जाता है। 13 ब्रांड परीक्षणों में सिर्फ 3 ही एनएमआर परीक्षण में पास हो पाए। इन्हें जर्मनी की विशेष प्रयोगशाला में जांचा गया था।

इस मिलावट को पकड़ पाना बेहद जटिल

सीएसई के फूड सेफ्टी एंड टॉक्सिन टीम के कार्यक्रम निदेशक अमित खुराना ने कहा कि हमने जो भी पाया वह चौंकाने वाला था। यह दर्शाता है कि मिलावट का व्यापार कितना विकसित है जो खाद्य मिलावट को भारत में होने वाले परीक्षणों से आसानी से बचा लेता है। हमारी चिंता सिर्फ इतनी भर नहीं है कि जो शहद हम खाते हैं वह मिलावटी है लेकिन यह चिंता इस बात को लेकर है कि इस मिलावट को पकड़ पाना बेहद जटिल और कठिनाई भरा है। हमने पाया कि शुगर सिरप इस तरह से डिजाइन किए जा रहे कि उनके तत्वों को पहचाना ही न जा सके।

नामी बांड भी फेल हो गए

शहद के 77 फीसदी नमूनों में शुगर सिरप के साथ अन्य मिलावट पाए गए। कुल जांचे गए 22 नमूनों में केवल पांच ही सभी परीक्षण में पास हुए। शहद के प्रमुख ब्रांड्स जैसे डाबर, पतंजलि, बैद्यनाथ, झंडु, हितकारी और एपिस हिमालय, सभी एनएमआर टेस्ट में फेल हो गए। 13 ब्रांड्स में से सिर्फ 3 – सफोला, मार्कफेड सोहना और नेचर्स नेक्टर, सभी परीक्षणों में पास पाए गए। उल्लेखनीय है कि भारत से निर्यात किए जाने शहद का एनएमआर परीक्षण 1 अगस्त, 2020 से अनिवार्य कर दिया गया है, जो यह बताता है कि भारत सरकार इस मिलावटी व्यापार के बारे में जानती थी, इसलिए उसे अधिक आधुनिक परीक्षणों की आवश्यकता पड़ी।

80 फीसदी तक मिलावट तो भी परीक्षण में पास

खुराना ने बताया कि चीन की कंपनियों को ईमेल भेजे गए और उनसे अनुरोध किया गया कि वे ऐसे सिरप भेजें, जो भारत में परीक्षणों में पास हो जाएं। उनकी ओर से भेजे गए जवाब में हमें बताया गया कि सिरप उपलब्ध हैं और उन्हें भारत भेजा जा सकता है। चीन की कंपनियों ने सीएसई को सूचित किया कि यदि शहद में इस सिरप की 50 से 80 फीसदी तक मिलावट की जाएगी तो भी वे परीक्षणों में पास हो जाएंगी। परीक्षण को बाईपास करने वाले सिरप के नमूने को चीनी कंपनी ने पेंट पिगमेंट के तौर पर कस्टम्स के जरिए भेजा।

उत्तराखंड में है मिलावटी सिरप बनाने की फैक्ट्री

सीएसई ने उत्तराखंड के जसपुर में उस फैक्ट्री को भी खोजा जो मिलावट के लिए सिरप बनाती है, वे सिरप के लिए 'ऑल पास' कोडवर्ड का इस्तेमाल करते हैं। सीएसई के अनसंधानकर्ताओं ने उनसे संपर्क किया और सैंपल खरीदा। यह समझने के लिए कि क्या यह शुगर सिरप प्रयोगशाला परीक्षण से पास हो सकते हैं, सीएसई ने शुद्ध शहद में इन्हें मिलाया। परीक्षणों में पता चला कि 25 फीसदी और 50 फीसदी शुगर सिरप वाले मिलावटी नमूने पास हो गए। इस तरह हमने यह सुनिश्चित किया कि शुगर सिरप एफएसएसएआई के शहद मानकों को बाईपास कर सकते हैं।

ग्राहकों को होना होगा जागरूक

सुनीता नारायण ने कहा कि हमें बतौर उपभोक्ता शहद के बारे में और अधिक जागरूक होना चाहिए जो हम इसकी अच्छाई के लिए खाते हैं। उदाहरण के लिए, हम अक्सर मानते हैं कि यदि शहद क्रिस्टलीकृत होता है तो यह शहद नहीं है। यह सही नहीं है। हमें शहद के स्वाद, गंध और रंग को सीखना शुरू करना चाहिए जो कि प्राकृतिक है। नारायण ने कहा कि हम अधिक शहद का उपभोग कर रहे हैं ताकि महामारी से लड़ सकें। लेकिन शुगर की मिलावट वाला शहद हमें बेहतर नहीं बना रहा है। असल में यह हमें और खतरे में डाल रहा है। वहीं दूसरी तरफ हमें और अधिक चिंतित होना चाहिए क्योंकि मधुमक्खियों को खोकर हम अपनी खाद्य प्रणाली को खत्म कर देंगे। यह मधुमक्खियां परागण के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण हैं, यदि शहद में मिलावट होगी तो हम सिर्फ अपनी सेहत नहीं खोएंगे, बल्कि हमारी कृषि की उत्पादकता भी खो देंगे।

सीएसई क्या कहता है

सुनीता नारायण ने कहा कि इस समय हमने मिलावट के कारोबार का खुलासा कर दिया है। हम सरकार, उद्योग और उपभोक्ताओं से ये चाहते हैं। उनका कहना है कि चीन से सिरप और शहद का आयात बंद किया जाए। इसके साथ ही अपने यहां सार्वजनिक परीक्षण को सुदृढ़ किया जाए, ताकि कंपनियों को जिम्मेदार ठहराया जा सके। सरकार को एनएमआर जैसी उन्नत तकनीकों का उपयोग करके नमूनों का परीक्षण करना चाहिए और यह जानकारी सार्वजनिक करना चाहिए, ताकि उपभोक्ता जागरूक हों और हमारे स्वास्थ्य से समझौता न हो। यह कंपनियों को भी जिम्मेदार ठहराएगा। यही नहीं, बिकने वाला शहद मधुमक्खी पालकों या छत्तों से लिया गया है, सभी शहद बेचने वाली कंपनियों को इसका खुलासा करना चाहिए।

चीन से जुड़े हैं इसके तार

बीते वर्ष भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (इएएंद्) ने आयातकों और राज्य के फूड कमिश्नरों को बताया था कि देश में आयात किया जा रहे गोल्डन सिरप, इनवर्ट शुगर सिरप और राइस सिरप का इस्तेमाल शहद में मिलावट के लिए किया जा रहा है। अमित खुराना ने कहा कि यह अब भी अस्पष्ट है कि खाद्य नियामक वास्तविकता में इस काले कारोबार के बारे में कितना जानता है। वह कहते हैं कि एफएसएसएआई के निर्देश में जिन सिरप के बारे में कहा गया है, वे उन नामों से आयात नहीं किए जाते हैं या इनसे मिलावट की बात साबित नहीं होती। इसकी बजाए चीन की कंपनियां फ्रुक्टोज के रूप में इस सिरप को भारत में भेजती हैं। सीएसई ने अलीबाबा जैसे चीन के व्यापारिक पोर्टल्स की छानबीन की जो अपने विज्ञापनों में दावा करते हैं कि उनका फ्रुक्टोज सिरप भारतीय परीक्षणों को बाईपास कर सकता है। यह भी पाया गया कि वही चीन की कंपनी जो फ्रुक्टोज सिरप का प्रचार कर रही थी, वह यह भी बता रही थी कि यह सिरप सी3 और सी4 परीक्षणों को बाईपास कर सकते हैं और इनका निर्यात भारत को किया जाता है। सीएसई ने इस मामले में और जानकारी हासिल करने के लिए एक अंडरकवर ऑपरेशन चलाया।

नवंबर में रेलवे माल ढुलाई इस वित्त वर्ष में सर्वाधिक, पिछले साल के मुकाबले ज्यादा कमाई

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे ने नवंबर महीने में 1096.8 लाख टन माल का लदान किया। यह चालू वित्त वर्ष में किसी एक महीने में सर्वाधिक माल लदान है। इस दौरान हुई कमाई भी साल भर पहले के इसी महीने की तुलना में अधिक है। रेलवे ने एक बयान में मंगलवार को इसकी जानकारी दी। बयान में कहा गया कि नवंबर 2020 में रेलवे की लोडिंग साल भर पहले के 1,009.6 लाख टन की तुलना में नौ प्रतिशत अधिक है। इस दौराल रेलवे ने माल लदान से 10,657.66 करोड़ रुपये की कमाई की, जो साल भर पहले की इसी अवधि के 10,207.87 करोड़ रुपये से 449.79 करोड़ रुपये यानी चार प्रतिशत अधिक है। इस साल नंबर में हुये लदान में 484.8 लाख टन कोयला, 137.7 लाख टन लौह अयस्क, 51 लाख टन अनाज, 54.1 लाख टन उर्वरक और 66.2 लाख टन सीमेंट (क्लिंकर समेत) शामिल है। रेलवे बोर्ड के चेयरमैन एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) वी के यादव ने मंगलवार को एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'यह इस साल हमारे द्वारा की गये सबसे अधिक लोडिंग है। दरअसल, नवंबर महीने के अंतिम चार दिन हमने रोजाना 40 लाख टन माल की लोडिंग की।'

फिनइन ने लॉन्च किया भारत का पहला हाइपर-पर्सनलाइज्ड नियोबैंकिंग प्लेटफॉर्म

मुंबई। एजेंसी

बैंकिंग अनुभव में नया दृष्टिकोण लाते हुए भारत के पहले नियोबैंक फिनइन ने अखिल भारतीय स्तर पर अपनी शुरुआत की घोषणा की। सुमन गंधम और सुधीर मारम ने 2019 में इसकी स्थापना की और बेंगलुरु के इस स्टार्टअप का उद्देश्य एक यूजर को स्मार्ट और सरल तरीके से मैनेज करने, बचाने और निवेश करने में सक्षम बनाने के लिए पारदर्शी, आनंददायक और परेशानी-मुक्त अनुभव प्रदान करना है। फिनइन देश में कंज्यूमर-फेसिंग सेविंग्स-ड्रिवन नियोबैंक ला रहा है जो आज के वित्तीय परिदृश्य में वेल्थ मैनेजमेंट ऐप की विभिन्न अवधारणाओं को पेश करेगा।

फिनइन ने एसबीएम इंडिया के साथ बैंकिंग पार्टनर के तौर पर पार्टनरशिप की है ताकि बचत खाता जारी किया जा सके, जिसे 2 मिनट से कम समय में खोला जा सकता है और स्मार्ट कार्ड मैनेजमेंट फीचर से लैस वीजा संचालित डेबिट कार्ड साथ में आता है। बैंकिंग परिदृश्य में हाइपर-पर्सनलाइजेशन का अभाव है और यह कस्टमर डेटा का इस्तेमाल कम करता है। बचत और निवेश का विचार अधिकांश बैंकिंग यूजर्स के लिए एक कठिन कंसेप्ट है। फिनइन ने इस मुद्दे को एआई और नज थ्योरम का उपयोग करके हल करने के लिए यूजर को अपने बचत-खर्च साइकिल को बेहतर ढंग से समझने और उन्हें हर दिन सोच-समझकर निर्णय लेने के लिए सशक्त बनाने में सक्षम किया।

क्या है इसकी खूबी

यह ऐप बजटिंग और टारगेट मैनेजमेंट फीचर्स के साथ वित्तीय अनुशासन विकसित करने और इसी तरह वित्तीय स्वतंत्रता विकसित करने के लिए प्रत्येक यूजर की सहायता करता है। यह स्टार्टअप बिल भुगतान रिमाइंडर्स, रिफंड रिमाइंडर्स, ट्रायल सब्सक्रिप्शन कैंसिलेशन सूचनाओं के माध्यम से ऐप के जरिए हर यूजर की यात्रा को व्यावहारिक और सहज ज्ञान युक्त बनाने का वादा करता है। नोटिफिकेशन सिस्टम को स्पष्ट रूप से हर खर्च के हिस्से का ब्रेक-अप और पहचानने योग्य मर्चेंट लेबल के तहत प्रतिबिंबित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। फिनइन प्रत्येक यूजर को अपने खर्च के बारे में शिक्षित करने और उन्हें वित्तीय आनंद को महसूस करने के लिए 50-30-20 के नियम का उपयोग कर खर्चों को नियमित और नियंत्रित करने में मदद करता है। यह ऐप अन्य बैंक खातों को जोड़ने की अनुमति देता है ताकि एक ही स्थान पर यूजर को अपने सभी पैसों का समग्र दृष्टिकोण प्राप्त किया जा सके। कार्ड मैनेजमेंट फीचर यूजर को एक बटन के टैप के माध्यम से कार्ड को ब्लॉक और अनब्लॉक करने की अनुमति देता है। इसके अलावा, एक यूजर को अपनी पसंद के मुताबिक कॉन्टेक्ट-लेस पेमेंट, इंटरनेशनल पेमेंट, ऑनलाइन लेन-देन और एटीएम विड्रॉवल को सक्षम और अक्षम करने का फुल कंट्रोल होता है, इस प्रकार यूजर को सभी मैनेजमेंट पॉवर मिल जाती है।

चालू वित्त वर्ष के पहले आठ माह में निर्यात 17.84 प्रतिशत घटा: वाणिज्य सचिव

नयी दिल्ली। एजेंसी

देश के निर्यात में चालू वित्त वर्ष के पहले आठ माह (अप्रैल-नवंबर) में 17.84 प्रतिशत की गिरावट रही है। इस दौरान आयात भी 33.56 प्रतिशत घटा है। वाणिज्य सचिव अनूप वाधवन ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इस दौरान व्यापार घाटा भी नीचे आया है। वाणिज्य सचिव ने व्यापार बोर्ड (बीओटी) की बैठक में कहा, "2020-21 में अप्रैल से नवंबर के दौरान निर्यात 17.84 प्रतिशत घटा है। यदि हम रत्न एवं आभूषण तथा पेट्रोलियम को अलग कर दें, तो यह गिरावट कम रही है। ऐसे क्षेत्र जहां आर्थिक गतिविधियां मूल्यवर्धन की दृष्टि से अर्थपूर्ण रही हैं, उनमें गिरावट कम है।" सचिव ने कहा कि वित्त वर्ष के पहले आठ माह में फार्मा क्षेत्र का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। इस क्षेत्र का निर्यात 15 प्रतिशत बढ़ा है। इसके अलावा चावल का निर्यात 39 प्रतिशत और लौह अयस्क का 62 प्रतिशत बढ़ा है। इस मौके पर वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि आगे चलकर इस बात की काफी संभावना है कि हम 2025 तक 1,000 अरब डॉलर के निर्यात के लक्ष्य को हासिल कर पाएंगे। उन्होंने कहा, 'देश काफी तेज सुधार के दौर में है। उद्योगों की जुझारू क्षमता बढ़ी है। अंतरराष्ट्रीय वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला भारत की ओर देख रही है।" उन्होंने कहा कि सरकार के विभिन्न विभाग उन क्षेत्रों की पहचान कर रहे हैं और उन्हें समर्थन प्रदान कर रहे हैं, जिनमें भारत लाभ की स्थिति मे है। गोयल ने कहा कि हमने 24 ऐसे उद्योगों की पहचान की है, जिनके बारे में हमारा मानना है कि हम 20 लाख करोड़ रुपये का वार्षिक विनिर्माण जोड़ सकते हैं। "मैं राज्यों से अपील करना चाहूंगा कि वे केंद्र सरकार के प्रयासों को जमीन पर उतारने में सहायक बनें।"

फिक्की की सालाना आम बैठक को 12 दिसंबर को संबोधित करेंगे मोदी

नयी दिल्ली। एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 12 दिसंबर को उद्योग संगठन फिक्की की 93वीं वार्षिक आम बैठक को संबोधित करेंगे। इस अवसर पर वह 'प्रेरित भारत' बनाने में उद्योग जगत की भूमिका पर अपने विचार और दृष्टिकोण साझा करेंगे। फिक्की ने बुधवार को एक बयान में कहा कि प्रधानमंत्री वार्षिक आम बैठक का आभासी तरीके से उद्घाटन करेंगे। वह डिजिटल माध्यम से ही एजीएम को संबोधित भी करेंगे। यह बैठक 11, 12 और 14 दिसंबर को आयोजित हो रही है। इसका थीम 'प्रेरित भारत' है। संगठन ने कहा कि इस कार्यक्रम में गृह मंत्री अमित शाह, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, सड़क परिवहन, राजमार्ग एवं सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री नितिन गडकरी, वाणिज्य एवं उद्योग व रेल मंत्री पीयूष गोयल, विदेश मंत्री एस जयशंकर और इलेक्ट्रॉनिक्स, आईटी, संचार व कानून मंत्री रविशंकर प्रसाद के शामिल होने की संभावना है। फिक्की की इस साल की एजीएम के वक्ताओं की सूची में सत्या नडेला (मुख्य कार्यकारी अधिकारी, माइक्रोसॉफ्ट), एरिक श्मिट (नेशनल सिक्योरिटी कमिशन ऑन एआई के चेयरमैन एवं अल्फाबेट के पूर्व चेयरमैन) और टाटा समूह के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन, कैडिला हेल्थकेयर के चेयरमैन पंकज पटेल तथा ओयो होटल्स होम्स के संस्थापक रितेश अग्रवाल समेत कई शीर्ष भारतीय कारोबारी शामिल हैं। दुनिया भर से इस मेगा कार्यक्रम में लगभग 10,000 से अधिक प्रतिनिधियों के भाग लेने की उम्मीद है।

अब क्रेडिट कार्ड से कर सकेंगे घर के किराए का भुगतान, साथ में मिलेंगे कई फायदे

नई दिल्ली। एजेंसी

आमतौर पर लोग क्रेडिट कार्ड से खरीदारी, रेल और फ्लाइट टिकट बुकिंग, ऑनलाइन पेमेंट, रिचार्ज एवं बिल पेमेंट इत्यादि करते हैं, लेकिन अब आप क्रेडिट कार्ड के जरिए मकान का किराया भी चुका सकते हैं। क्रेडिट कार्ड से किराया चुकाने के लिए यात्रा रिवॉर्ड कंपनी इंटरमाइल्स ने वित्तीय और रियल एस्टेट तकनीक कंपनी रेडजिराफ के साथ मिलकर साझेदारी की है। इस साझेदारी के तहत को-ब्रांडेड क्रेडिट से किराया का भुगतान कर उपभोक्ता रिवॉर्ड प्वाइंट भी हासिल कर सकेंगे।

किराया चुकाने पर मिलेंगे रिवॉर्ड प्वाइंट

इंटरमाइल्स और रेडजिराफ की साझेदारी में जारी किए गए इस प्लेटफॉर्म से को-ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड से उपभोक्ता का मासिक किराया भुगतान करने में आसानी होगी। साथ ही इसके जरिये भुगतान पर रिवॉर्ड प्वाइंट भी दिया जाएगा। वहीं, उपभोक्ता दूसरी ओर अपने बैंक में जमा रकम पर थोड़ा ब्याज भी प्राप्त कर दोहरा फायदा उठा पाएगा।

नौकरी छूटने पर भी मिलेगी मदद

रेडजिराफ से मिलने वाले बीमा से भी उपभोक्ता लाभान्वित हो सकते हैं जैसे की नौकरी छूटने, व्यक्तिगत दुर्घटना आदि। यह ऑफर एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और इंडसइंड बैंक के को-ब्रांड कार्डधारकों के लिए उपलब्ध है।

उपभोक्ता को एक खाता बनना होगा

रेडजिराफ के माध्यम से घर का किराया भुगतान करने के लिए, कार्डधारकों को रेडजिराफ प्लेटफॉर्म पर एक खाता बनाना होगा और अपने किराये के एग्रीमेंट और सहायक दस्तावेजों को अपलोड करना होगा। मौजूदा समय में एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और इंडसल्ड बैंक के को-ब्रांड क्रेडिट कार्ड स्वीकार्य होंगे।

क्रेडिट कार्ड से रेंट चुकाने के लाभ

■को-ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड का उपयोग करके आप अपना नकदी बचा सकते हैं। ■क्रेडिट कार्ड के बकाए का पेमेंट आमतौर पर 45-50 दिन बाद देना होता है। ■इस तरह से किराये के पैसे को कहीं निवेश या बैंक में रखकर ब्याज प्राप्त कर सकते हैं। ■क्रेडिट कार्ड के जरिए किए गए भुगतान को आप ईएमआई में बदल सकते हैं। ■इसका मतलब यह हुआ कि आप किराया को भी ईएमआई के जरिए चुका सकते हैं। ■क्रेडिट कार्ड पर कैशबैक या रिवॉर्ड पॉइंट्स मिलते हैं।

भारतीय अर्थव्यवस्था चौथी तिमाही में गिरावट से उबरकर वृद्धि की राह पर होगी: योजना आयोग उपाध्यक्ष

नयी दिल्ली। एजेंसी

नीति आयोग के उपाध्यक्ष राजीव कुमार ने बुधवार को कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था अब महामारी की वजह से आई गिरावट से उबर रही है और चालू वित्त वर्ष की चौथी तिमाही जनवरी-मार्च में यह वृद्धि के रास्ते पर होगी। कुमार ने पीटीआई-भाषा से साक्षात्कार में कहा कि केंद्र के नए कृषि सुधार कानूनों का मकसद किसानों की आमदनी बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि इन कानूनों को लेकर किसानों के आंदोलन की वजह गलतफहमी तथा उनतक सही जानकारी नहीं पहुंचना है। इन चीजों को दूर करने की जरूरत है। कुमार ने कहा कि दूसरी तिमाही के जीडीपी आंकड़ों से पता चलता है कि अर्थव्यवस्था अब कोविड-19 महामारी की वजह से आई गिरावट से उबर रही है। "मुझे उम्मीद है कि तीसरी तिमाही में हम आर्थिक गतिविधियों का वह स्तर हासिल कर लेंगे, जो एक साल पहले था।" उन्होंने कहा, "और चौथी तिमाही में जीडीपी दर सकारात्मक दायरे में पहुंच जायेगी और पिछले साल की इसी अवधि के मुकाबले में इसमें मामूली वृद्धि हासिल कर ली जायेगी।" कुमार ने कहा कि सरकार ने इस समय का इस्तेमाल कई संरचनात्मक सुधारों को आगे बढ़ाने के लिये किया है। वहीं कई सुधार अभी पाइपलाइन में हैं।

कुमार ने कहा कि ये सभी सुधार वित्त वर्ष 2021-22 और आगे आर्थिक वृद्धि दर को बढ़ाने में मजबूत बुनियाद के रूप में काम करेंगे। चालू वित्त वर्ष में भारत की वृद्धि दर के आंकड़ों पर कुमार ने कहा कि यह रिजर्व बैंक तथा अन्य द्वारा लगाए गए नौ से 10 प्रतिशत की गिरावट के अनुमान से कहीं बेहतर रहेगी। कुमार ने कहा कि कोविड-19 महामारी का आर्थिक गतिविधियों पर काफी नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। यह पूरी तरह से प्राकृतिक आपदा के समान है और इसका नियमित आर्थिक चक्र से संबंध नहीं है। ऐसे में यह कहना है कि अर्थव्यवस्था तकनीकी रूप से मंदी में है, तर्कसंगत नहीं होगा। चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में विनिर्माण क्षेत्र की उम्मीद से बेहतर 0.6 प्रतिशत की वृद्धि हासिल होने पर उन्होंने कहा कि यह हैरान करने वाला लेकिन अच्छा आंकड़ा है।

उन्होंने कहा, "इसके पीछे आधार प्रभाव भी है। लेकिन पिछले तीन माह के दौरान जीएसटी संग्रह भी ऊंचा रहा है। सितंबर तिमाही में भारतीय अर्थव्यवस्था की स्थिति में सुधार दर्ज हुआ है। विनिर्माण गतिविधियां बढ़ने से तिमाही के दौरान जीडीपी में गिरावट काफी कम होकर 7.5 प्रतिशत रह गई है। ऐसे में आगे उपभोक्ता मांग से और सुधार की उम्मीद है। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में अर्थव्यवस्था में 23.9 प्रतिशत की बड़ी गिरावट दर्ज की गई थी। कृषि कानूनों के विरोध में मुख्य रूप से पंजाब और हरियाणा के किसानों के आंदोलन पर कुमार ने कहा कि यह तथ्य देखने की जरूरत है कि पूरे देश में इन नए कृषि कानूनों को अच्छे तरीके से लिया गया है। उन्होंने कहा कि ये तीनो कानून स्पष्ट रूप से किसानों की आमदनी क्षमता बढ़ाने के बारे में है। इनसे किसानों को यह आजादी भी मिलेगी कि वे अपनी उपज कहां और किसे बेचना चाहते है। उन्होंने कहा कि मौजूदा आंदोलन की वजह किसानों तक सही जानकारी नहीं पहुंचना और कुछ गलतफहमियां है। इन्हें दूर किए जाने की जरूरत है। किसानों और केंद्र सरकार के बीच बातचीत मंगलवार को बेनतीजा रही है। अब दोनों पक्षों के बीच बृहस्पतिवार को फिर बैठक होगी।

अगहन मास को क्यों कहते हैं मार्गशीर्ष

हिन्दू पंचांग के अनुसार वर्ष का नवां महीना अगहन कहलाता है। अगहन मास को मार्गशीर्ष नाम से भी जाना जाता है। क्या आप जानते हैं कि अगहन मास को मार्गशीर्ष क्यों कहा जाता है? हम आपको बताते हैं कि अगहन मास को मार्गशीर्ष नाम से क्यों जानते हैं?

अगहन मास को मार्गशीर्ष कहने के पीछे भी कई तर्क हैं। भगवान श्री कृष्ण की पूजा अनेक स्वरूपों में व अनेक नामों से की जाती है। इन्हीं स्वरूपों में से एक मार्गशीर्ष भी श्री कृष्ण का ही एक रूप है। शास्त्रों में कहा गया है कि इस माह का संबंध मृगशिरा नक्षत्र से है। ज्योतिष के अनुसार नक्षत्र 27 होते हैं जिसमें से एक है मृगशिरा नक्षत्र। इस माह की पूर्णिमा मृगशिरा नक्षत्र से युक्त होती है। इसी वजह से इस मास को मार्गशीर्ष मास के नाम से जाना जाता है। भागवत के अनुसार, भगवान श्री कृष्ण ने भी कहा था कि सभी माह में मार्गशीर्ष श्री कृष्ण का ही स्वरूप है। मार्गशीर्ष मास में श्रद्धा और भक्ति से प्राप्त पुण्य के बल पर हमें सभी सुखों की प्राप्ति होती है। इस माह में नदी स्नान और दान-पुण्य का विशेष महत्व है। श्री कृष्ण ने मार्गशीर्ष मास की महत्ता गोपियों को भी बताई थी। उन्होंने कहा था कि मार्गशीर्ष माह में यमुना स्नान से मैं सहज ही सभी को प्राप्त हो जाऊंगा। तभी से इस माह में नदी स्नान का खास महत्व माना गया है। मार्गशीर्ष में नदी स्नान के लिए तुलसी की जड़ की मिट्टी व तुलसी के पत्तों से स्नान करना चाहिए। स्नान के समय 'ॐ नमो नारायणाय या गायत्री मंत्र' का जप करना चाहिए। कहा जाता हैं कि मार्गशीर्ष के महीने में जो भक्त भगवान श्री कृष्ण के मंत्र का जाप करता है, उसकी सभी इच्छाएं और मनोकामनाएं कृष्ण पूरी करते हैं।

मार्गशीर्ष मास की 10 बातें बहुत काम की हैं

हिन्दी माह अगहन को मार्गशीर्ष मास भी कहते हैं। यह महीना भगवान श्री कृष्ण का स्वरूप कहा गया है। इन दिनों में श्री कृष्ण की पूजा का विशेष महत्व है। इस माह में खास व्रत और त्योहार है जैसे कालभैरव जयंती, उत्पन्ना एकादशी, क्रिसमस, सूर्य ग्रहण, मोक्षदा एकादशी आदि... इस महीने निम्न बातों का ध्यान अवश्य रखना चाहिए।

आइए जानें... मार्गशीर्ष मास में किन बातों का रखें ध्यान, कैसे चमकाएं अपनी किस्मत?

1. इस महीने में नित्य श्रीमद्भगवतगीता का पाठ करें।

2. पूरे महीने ॐ नमो भगवते वासुदेवाय मंत्र का निरंतर जाप करें।
3. भगवान श्री कृष्ण की उपासना अधिक से अधिक समय तक करें।
4. इस महीने से संध्याकाल की उपासना अनिवार्य हो जाती है।
5. मार्गशीर्ष के महीने में तेल की मालिश बहुत उत्तम होती है।
6. अगहन के महीने में जीरे का सेवन नहीं करना चाहिए।
7. अगर इस महीने किसी पवित्र नदी में स्नान का अवसर मिले तो इसे न गंवाएं, अवश्य ही नदी में स्नान करें।
8. इस महीने से मोटे परिधानों का उपयोग भी शुरू कर देना चाहिए।
9. श्री कृष्ण को तुलसी के पत्तों का भोग लगाकर उसे प्रसाद स्वरूप ग्रहण करें।
10. इस महीने से चिकनाई वाले खाद्य पदार्थों का सेवन शुरू कर देना चाहिए।

मार्गशीर्ष के इस पवित्र महीने में अगर आपने उपरोक्त बातों का ध्यान रखते हुए भगवान श्री कृष्ण की उपासना की और उनका भजन-कीर्तन किया तो निश्चित ही आपका कल्याण होगा। अतः इस महीने को व्यर्थ न गंवाते हुए धर्म-कर्म करते रहना चाहिए।

ॐ या ओम

इस ध्वनि की चमत्कारिक क्षमता के 10 रहस्य

हिन्दू धर्म ग्रंथों में ॐ या ओम को ही एक मात्र मंत्र माना गया है। प्रत्येक मंत्रों के आगे इस मंत्र का प्रयोग होता है। तंत्र योग में एकाक्षर मंत्रों का भी विशेष महत्व है। देवनागरी लिपि के प्रत्येक शब्द में अनुस्वार लगाकर उन्हें मंत्र का स्वरूप दिया गया है। उदाहरण के तौर पर कं, खं, गं, घं आदि। इसी तरह श्रीं, क्लीं, ह्रीं, हूं, फट् आदि भी एकाक्षरी मंत्रों में गिने जाते हैं। नम या नमो से शुरू होने वाले मंत्र नहीं बल्कि नमस्कार होते हैं। आओ जानते हैं इस धवनि का रहस्य।

1. तपस्वी और ध्यानियों ने जब ध्यान की गहरी अवस्था में सुना की कोई एक ऐसी ध्वनि है जो लगातार सुनाई देती रहती है शरीर के भीतर भी और बाहर भी। हर कहीं, वही ध्वनि निरंतर जारी है और उसे सुनते रहने से मन और आत्मा शांती महसूस करती है तो उन्होंने उस ध्वनि को नाम दिया ओम।
2. प्रिय या अप्रिय शब्दों की ध्वनि से श्रोता और वक्ता दोनों हर्ष, विषाद, क्रोध, घृणा, भय तथा कामेच्छा के आवेगों को महसूस करते हैं। अप्रिय शब्दों से निकलने वाली ध्वनि से मस्तिष्क में उत्पन्न काम, क्रोध, मोह, भय लोभ आदि की भावना से दिल की धड़कन तेज हो जाती है जिससे रक्त में 'टॉक्सिक' पदार्थ पैदा होने लगते हैं। इसी तरह प्रिय और मंगलमय शब्दों की ध्वनि मस्तिष्क, हृदय और रक्त पर अमृत की तरह आल्हादकारी रसायन की वर्षा करती है।
3. कहते हैं कि यह एक ऐसी ध्वनि का प्रतीक है जो किसी के सहयोग से उत्पन्न नहीं हो रही है बल्कि अनाहत ध्वनि है जो संपूर्ण ब्रह्मांड सहित मनुष्य के भीतर निरंतर जारी है। अनाहत अर्थात किसी भी प्रकार की टकराहट या दो चीजों या हाथों के संयोग के उत्पन्न ध्वनि नहीं। इसे अनहद भी कहते हैं।
4. ॐ शब्द तीन ध्वनियों से बना हुआ है- अ, उ, म इन तीनों ध्वनियों का अर्थ उपनिषद में भी आता है। भूः लोक, भूवः लोक और स्वर्ग लोक का प्रतीक है। ॐ को ओम कहा जाता है। उसमें भी बोलते वक्त 'ओ' पर ज्यादा जोर होता है। इस मंत्र का प्रारंभ है अंत नहीं। यह ब्रह्मांड की अनाहत ध्वनि है।
5. साधारण मनुष्य उस ध्वनि को सुन नहीं सकता, लेकिन जो भी ओम का उच्चारण करता रहता है उसके आसपास सकारात्मक ऊर्जा का विकास होने लगता है। फिर भी उस ध्वनि को सुनने के लिए तो पूर्णतः मौन और ध्यान में होना जरूरी है। जो भी उस ध्वनि को सुनने लगता है वह परमात्मा से सीधा जुड़ने लगता है। परमात्मा से जुड़ने का साधारण तरीका है ॐ का उच्चारण करते रहना।
6. शिव पुराण मानता है कि नाद और बिंदु के मिलन से ब्रह्मांड की उत्पत्ति हुई। नाद अर्थात ध्वनि और बिंदु अर्थात शुद्ध प्रकाश। यह ध्वनि आज भी सतत जारी है। संपूर्ण ब्रह्मांड और कुछ नहीं सिर्फ कंपन, ध्वनि और प्रकाश की उपस्थिति ही है।
7. ओम की ध्वनि में यह शक्ति है कि यह इस ब्रहमांड के किसी भी गृह को फोड़ने या इस संपूर्ण ब्रह्मांड को नष्ट करने की क्षमता रखता है। यह ध्वनि सूक्ष्म से भी सूक्ष्म और विराट से भी विराट होने की क्षमता रखती है।
8. सभी ज्योतिर्लिंगों के पास स्वतः ही ओम का उच्चारण होता रहता है। यदि आप कैलाश पर्वत या मानसरोवर झील के क्षेत्र में जाएंगे, तो आपको निरंतर एक आवाज सुनाई देगी, जैसे कि कहीं आसपास में एरोप्लेन उड़ रहा हो। लेकिन ध्यान से सुनने पर यह आवाज 'डमरू' या 'ॐ' की ध्वनि जैसी होती है। वैज्ञानिक कहते हैं कि हो सकता है कि यह आवाज बर्फ के पिघलने की हो। यह भी हो सकता है कि प्रकाश और ध्वनि के बीच इस तरह का समागम होता है कि यहां से 'ॐ' की आवाजें सुनाई देती हैं।
9. इसके उच्चारण से शरीर और मन को एकाग्र करने में मदद मिलेगी। दिल की धड़कन और रक्तसंचार व्यवस्थित होगा। इससे मानसिक बीमारियां दूर होती हैं। काम करने की शक्ति बढ़ जाती है। सभी मंत्रों का उच्चारण जीभ, होंठ, तालू, दाँत, कंठ और फेफड़ों से निकलने वाली वायु के सम्मिलित प्रभाव से संभव होता है। इससे निकलने वाली ध्वनि शरीर के सभी चक्रों और हारमोन स्राव करने वाली ग्रंथियों से टकराती है। इन ग्रंथियों के स्राव को नियंत्रित करके बीमारियों को दूर भगाया जा सकता है। इसका उच्चारण करने वाला और इसे सुनने वाला दोनों ही लाभांवित होते हैं।
10. ॐ के उच्चारण का अभ्यास करते-करते एक समय ऐसा आता है जबकि उच्चारण करने की आवश्यकता नहीं होती आप सिर्फ आंखों और कानों को बंद करके भीतर उसे सुनें और वह ध्वनि सुनाई देने लगेगी। भीतर प्रारंभ में वह बहुत ही सूक्ष्म सुनाई देगी फिर बढ़ती जाएगी। साधु-संत कहते हैं कि यह ध्वनि प्रारंभ में झींगुर की आवाज जैसी सुनाई देगी। फिर धीरे-धीरे जैसे बीन बज रही हो, फिर धीरे-धीरे ढोल जैसी थाप सुनाई देने लग जाएगी, फिर यह ध्वनि शंख जैसी हो जाएगी और अंत में यह शुद्ध ब्रह्मांडीय ध्वनि हो जाएगी।

जल्द शुरू किया जाएगा बहुप्रतिक्षित प्रिमियम स्कूटर- अप्रिलिया SXR160 का उत्पादन

पियाजिओ इंडिया नयी उत्पादन श्रेणी की बिक्री बढ़ाने डिलर नेटवर्क में करेंगे बढोत्तरी

पुणे। आईपीटी नेटवर्क

पियाजिओ इंडिया की ओर से जल्द ही उनके बारामती उत्पादन केंद्र में बहुप्रतिक्षित प्रिमियम स्कूटर अप्रिलिया ऍ160 का उत्पादन शुरू किंया जाएगा। इस से अब उनके प्रतिष्ठीत ग्राहकों को अधिक अच्छी सेवा देनें का उनका लक्ष्य पूर्ण करनें के साथ ही नयी प्रिमियम स्कूटर बाजार में लाना मुककिन होगा। बहुप्रतिक्षित SXR160 का अनावरण सबसे पहले ग्रेटर नोएडा में आयोजित ऑटो एक्स्पो 2020 के किया गया था। ऑटो एक्स्पो 2020में नामांकन और पुरस्कार प्राप्त इस स्कूटर को स्टाईल, कार्यक्षमता तथा बेजोड आराम देकर अगली पिढी के तंत्र ज्ञान से युक्त अधुनिकता के अनुसार विशेषताएं दी गई है। अप्रिलिया SXR160 में अप्रिलिया के विश्वस्तरीय डिज़ाईन की भाषा को प्रयोग किया गया है जिस से अब ग्राहकों को प्रिमियम अनुभव के साथ ही बेजोड कार्यक्षमता, आराम और स्टाईल प्राप्त होगी. ऍ160 के कारण अब प्रिमियम स्कूटर बाजार में एक नया सेगमेंट निर्माण किया जा रहा है। कार्यक्षमता 160 सीसी बीएस 6 तीन वॉल्व फ्युएल इंजेक्शन क्लीन एमिशन इंजन तंत्रज्ञान के चलतें यह उत्पादन काफी शक्तीशाली और टॉर्क से युक्त है जिस से राईडिंग का अनोखा अनुभव प्राप्त होता है.इस में अनोखे लूक को प्राप्त करनें के लिए 3 कोट एचडी बॉडी पेंट फिनिश उपलब्ध है, इस से अप्रिलिया सिग्नेचर ग्राफिक्स के साथ मैट ब्लैक डिज़ाईन ट्रिम्स इन्सर्ट्स के साथ डार्क क्रोम एलिमेंट है। आकर्षक बॉडी लाईन्स,भुमितीय रेखा और कार्यक्षम कलात्मकता के कारण अप्रिलिया SXR160 प्रिमियम अपील बढता है। रैप अराऊंड एलईडी तंत्रज्ञान से युक्त ट्वीन क्रिस्टल हेड लाईट्स के कारण तथ आईलाईन पोजीशन लाईट्स इंडिकेटर ब्लिंकर्स में समाविष्ट करनें से अनोखी सुंदरता प्राप्त होती है। उसके साथ ही पिछे दिए गए रिफ्लेक्शन रैप अराऊंड टेल लाईट्स के कारण पिछले ब्लिंकर्स नयी पिढी के अपील को बढ़ावा देते है।वाहन चलाते समय अधिकतर आराम मिलें इस लिए अप्रिलिया SXR160 में बड़ी, लंबी और आरामदायक तथा आकर्षक सीट्स दी गई है जिनकी रचना लेदर स्यूड के कवर्स जो भुरें तथा लाल रंग के धागों से बनाए गए है। चलानें के लिए योग्य और आरामदायक रूप से बनाए गए स्टिअरिंग हैन्डल के बार, तथा फिदर टच स्विचेस के कारण योग्य और आरामदायक पध्दती से प्रयोग करना आसान होता है। 210 स्क्वेअर सेंमी के मल्टीफंक्शनल ऑल डिजिटल क्लस्टर में कई विशेषताएं दी गई है। ग्राहक अब मोबाईल कनेक्टिविटी के उपयोग से स्कूटर के साथ मोबाईल को जोडकर स्कूटर को ढूंढना, जरूरत पडनें पर अलार्म बजाना या कभी कभी स्कूटर को बंद करना भी मुमकिन होता है। SXR160 में एन्टीलॉक ब्रेकिंग सिस्टम (एबीएस) के साथ वेंटिलेटेड डिस्क ब्रेक, ट्वीन पॉट्स कैलिपर हाईड्रॉलिक ब्रेक्स के कारण ब्रेकिंग अधिक सक्षम होता है। पियाजिओ इंडिया के चेअरमन और एमडी श्री दिएगो ग्राफ्फी ने कहा ' हमारें प्रतिष्ठीत ग्राहकों के लिए बहुप्रतिक्षित, अनोखे प्रिमियम श्रेणी के उत्पादन की पहचान कराने के लिए हम काफी उत्साही है। ऑटो एक्स्पो 2020 में जो हमनें वादा किया था उसके मुताबिक हम भारत में अप्रिलिया SXR160 का उत्पादन शुरू कर रहें है। इस से प्रिमियम स्टाईल और उच्च कार्यक्षमता और सेगमेंट की

सर्वोत्कृष्ट क्षमता प्राप्त होगी। इस से अब स्कूटर क्षेत्र में नए अध्याय की शुरूआत होगी। यह अनोखा अनुभव सबके निकट ले जाने हेतु हम हमारे भारत की डिलरशिप्स के नेटवर्क को बढ़ाने हेतु प्रीमियम मानसिकता से युक्त पेशेवरों को उनके शहर में व्यवसाय का अनोखा मॉडल उपलब्ध करा रहे है।

सबसे सस्ती SUV लॉन्च, Nissan Magnite की कीमत 4.99 लाख से शुरू

नई दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

भारतीय बाजार में जापानी कंपनी निसान मोटर्स की नई कार मैग्नाइट (Magnite) का बेसब्री से इंतजार किया जा रहा था। अब कंपनी ने भारत में इसे लॉन्च कर दिया है। जिस तरह से उम्मीद लगाई जा रही थी, ठीक उसी तरह कंपनी ने कीमत के मोर्चे पर इस सेगमेंट में दूसरी कंपनियों के लिए चुनौती पेश कर दी है। Nissan Magnite SUV को महज 4.99 लाख रुपये की शुरुआती कीमत में लॉन्च कर दिया गया है। कंपनी ने 11,000 रुपये की टोकन मनी के साथ इसकी बुकिंग भी शुरू कर दी है। अपनी किफायती कीमत के साथ Magnite भारत की सबसे सस्ती एळ्ऱ बन गई है।

एक खास योजना के तहत कंपनी ने इसकी शुरुआती कीमत 31 दिसंबर, 2020 तक के लिए 4.99 लाख रुपये रखी है। 31 दिसंबर के बाद मैग्नाइट की शुरुआती कीमत बढ़कर कीमत 5.54 लाख रुपये हो जाएगी। यानी ग्राहकों को 31 दिसंबर तक बुक कराने पर बड़ा लाभ मिलने वाला है।

निसान Magnite SUV के टॉप मॉडल की कीमत 9.35 लाख रुपये है। यह भारत की सबसे सस्ती SUV है, जो मार्केट में किआ सोनेट, विटारा ब्रेजा, और हुंडई वेन्यू, टाटा नेक्सॉन, महिंद्रा ळ्ऱ300 और होंडॉ ऱ जैसी एसयूवी

को टक्कर देगी। हालांकि, इन कारों की कीमत मैग्नाइट से कहीं अधिक है।

नई मैग्नाइट को CMF-A + प्लेटफॉर्म पर तैयार किया गया है, जिसका इस्तेमाल ट्राइबर में भी किया गया है। मैग्नाइट भारत में निसान की पहली सब -4 मीटर एळ्ऱ है। इसे 4 ट्रिम्स में लॉन्च किया गया है, जिनमें XE, XL, XV और XV प्रीमियम शामिल है। ग्राहक 9 कलर में इस कार को खरीद सकते हैं। निसान मैग्नाइट का स्पोर्टी लुक है। इसमें स्लीक लुक वाली LED हैडलैंप्स और LED DRLs दिए गए हैं। कार में 16 इंच का डायमंड कट अलॉय व्हील्स का इस्तेमाल किया गया है। कंपनी का कहना है कि निसान मैग्नाइट को 'मेक इन इंडिया, मेक फॉर वर्ल्ड' को ध्यान में रखकर बनाया गया है। हालांकि इसका डिजाइन जापान में तैयार किया गया है।

Nissan Magnite में इंजन के दो विकल्प ग्राहकों को मिलेंगे। मैग्नाइट में 1.0 लीटर, 3 सिलेंडर टर्बो पेट्रोल इंजन मिलेगा, जो 72hp पावर जनरेट करेगा। इसके टॉप वेरिएंट में HRA0 टर्बो-चार्ज्ड 1.0-लीटर पेट्रोल इंजन मिलेगा, जो 5-स्पीड मैनुअल और CVT ऑटोमैटिक गियरबॉक्स से लैस होगा. ये 95hp का पावर जनरेट करेगा। इस सेगमेंट में पहली बार 360 डिग्री अराउंड व्यू मॉनीटर दिया गया है, जो निसान किक्स से लिया गया है। इसमें चारों तरफ कैमरे दिए गए हैं, जो चारों तरफ का व्यू देते हैं। एक बटन दबाकर लिस्ट में से जरूरत के मुताबिक कैमरा व्यू चुन सकते हैं। केबिन में एंड्रॉइड ऑटो के लिए सात इंच का डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर और आठ इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम लगाया गया है। अगर सेफ्टी की बात करें तो इसमें डुअल एयरबैग्स, ईबीडी के साथ एबीएस, सेंट्रल लॉकिंग सिस्टम, स्पीड सेंसिंग डोर लॉक जैसे कॉमन फीचर्स के अलावा व्हीकल डाइनैमिक्स कंट्रोल (वीडीसी) हिल स्टार्ट असिस्ट सिस्टम (एचएएस), ट्रैक्शन कंट्रोल जैसे जरूरी फीचर्स दिए हैं।

धनतेरस-दिवाली की बदौलत ऑटो इंडस्ट्री के लौटे अच्छे दिन

बाइक और कार की जमकर हुई बिक्री

नई दिल्ली। एजेंसी

लंबे समय से चली आ रही ऑटो इंडस्ट्री की सुस्ती अब दूर होती दिख रही है। अगर बीते नवंबर महीने के आंकड़ों पर गौर करें तो गाड़ियों की बिक्री ने रफ्तार पकड़ ली है। आर्थिक सुस्ती और लॉकडाउन की मार झेलने के बाद अब ऑटो इंडस्ट्री ने रफ्तार पकड़ ली है। इस इंडस्ट्री के लिए त्योहारी सीजन वरदान साबित हुआ है। आंकड़ों पर गौर करें तो त्योहारी सीजन के पीक यानी धनतेरस और दिवाली के मौकों पर गाड़ियों की जबरदस्त डिमांड रही। अहम बात ये है कि टू व्हीलर और फोर व्हीलर, दोनों ही सेगमेंट में लोगों ने जमकर खरीदारी की है। ये बिक्री इसलिए भी अहम है क्योंकि लगातार दो तिमाही से देश की जीडीपी निगेटिव ग्रोथ में है। इसे तकनीकी तौर पर मंदी माना जा रहा है।

टू व्हीलर कैटेगरी में ग्रोथ एक साल पहले के मुकाबले नवंबर महीने में टू व्हीलर कैटेगरी की प्रमुख कंपनियां- हीरो मोटोकॉर्प, होंडा मोटरसाइकिल, बजाज ऑटो, टीवीएस, यामाहा, रॉयल इन्फील्ड ने उम्मीद से बेहतर बिक्री की है। ताजा आंकड़े बता रहे हैं कि हीरो मोटोकॉर्प की बिक्री में 14 फीसदी का ग्रोथ रहा तो वहीं, होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया की घरेलू बिक्री 11 फीसदी बढ़ गई। टीवीएस मोटर कंपनी के दोपहिया वाहनों की घरेलू बिक्री में 30 फीसदी का इजाफा हो गया है।

इसी तरह, नवंबर में बजाज ऑटो की कुल बिक्री 5 फीसदी बढ़ी है। यामाहा मोटर इंडिया ने नवंबर में 35 फीसदी अधिक टू व्हीलर्स की बिक्री की है। रॉयल एनफील्ड की घरेलू बिक्री में करीब एक फीसदी का इजाफा हुआ है। फोर व्हीलर की भी डिमांड अगर फोर व्हीलर कैटेगरी में देखें तो एक साल पहले के मुकाबले मारुति सुजुकी इंडिया, हुंडई मोटर, किआ मोटर्स और टाटा मोटर्स समेत अधिकतर वाहन कंपनियों की घरेलू बिक्री बढ़ी है। होंडा कार्स इंडिया, टोयोटा किर्लोस्कर मोटर, महिंद्रा एंड महिंद्रा और एमजी मोटर इंडिया की बिक्री ने भी नए रिकॉर्ड बनाए हैं। पिछले साल अक्टूबर में थी दिवाली एक तथ्य ये भी है कि बीते साल नवरात्रि, धनतेरस और दिवाली जैसे बड़े त्योहार अक्टूबर महीने में थे। ऐसे में लोगों ने इस त्योहारी मौके पर गाड़ियों की खरीदारी कर ली थी लेकिन अबकी बार अक्टूबर और नवंबर दोनों ही महीने में खरीदारी बढ़ गई है। हालांकि, दिसंबर में डिमांड कमजोर रहने की आशंका है।',

किसानों के समर्थन में ट्रक ऑपरेटर्स ने चक्का जाम की धमकी दी

8 दिसंबर से 1 करोड़ ट्रकर्स करेंगे स्ट्राइक

नई दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

किसानों का आंदोलन जारी है। चिल्ला बॉर्डर पर अड़े किसानों का साफ-साफ कहना है कि खुद प्रधानमंत्री मोदी उनसे बात करें। अब तक कई दौर की बातचीत हो चुकी है, लेकिन सब बेनतीजा रही है। इस बीच ऑल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस (AIMTC) ने कहा है कि वह किसान आंदोलन के समर्थन में 8 दिसंबर से स्ट्राइक का फैसला किया है। AIMTC गुड्स वीइकल ऑपरेटर्स का प्रतिनिधित्व करता है। इसके अंतर्गत करीब 10 मिलियन यानी 1 करोड़ ट्रकर्स आते हैं। अपने देश में सामान को एक कोने से दूसरे कोने पहुंचाने में इनका बहुत बड़ा योगदान है। इनका साफ कहना है कि अगर प्रदर्शन कर रहे किसानों की मांगें नहीं मानी जाती हैं तो वे 8 दिसंबर से स्ट्राइक पर चले जाएंगे।

किसान नेता स्वराज सिंह, भारतीय किसान यूनियन(लोकशक्ति) का कहना है कि हम सड़क पर नहीं बैठे हैं। प्रशासन ने बैरिकेड लगाकर और जवानों को तैनात करके हमारा रास्ता रोक दिया है। हम इस जगह को अस्थाई जेल मान रहे हैं, और हमें यहां रोका जाना गिरफ्तारी की तरह है। जिस वक्त हमें छोड़ा जाएगा, हम दिल्ली जाएंगे।

इंदौर के उद्योगपति का देश में बड़ा धमाका

भारतीय अर्थव्यवस्था और आत्मनिर्भर भारत अभियान में योगदान

इंडस ऐप बाज़ार, एक भारतीय एंड्रॉइड ऐप स्टोर ने अपने 10 करोड़ से अधिक उपयोगकर्ताओं के लिए 1 अरब डाउनलोड को सक्षम

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

इंडस ऐप बाज़ार भारत का सबसे बड़ा स्वदेशी और इस प्रकार का ऐप है, जिसमें 10 करोड़ से अधिक उपयोगकर्ता सैमसंग और 12 अन्य भारतीय ओईएम की शक्ति रखते हैं। भारत का अपना ऐप स्टोर, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन लर्निंग जैसी गहरी तकनीकों का लाभ उठाकर स्थानीयकरण, सादगी और उपयोगकर्ता के निजीकरण पर ध्यान केंद्रित करके एक बेहतर अनुभव प्रदान करता है, इंडस ऐप बाज़ार वास्तव में भारतीय दर्शकों के लिए डिज़ाइन किया गया है।यह भारत की 12 भाषाओं और अंग्रेजी में उपलब्ध है। ऐप स्टोर तक पहुंचने और ऐप डाउनलोड करने के लिए किसी ईमेल एड्रेस की आवश्यकता नहीं है।

बहुत से स्टार्ट-अप्स आत्मनिर्भर पाई से भारतीय अर्थव्यवस्था में योगदान देने के लिए प्रयत्न कर रहे हैं।टियर 2 और 3 शहरों के उद्यमी अभिनव समाधान बनाकर अपने भाग्य का प्रभार ले रहे हैं और इस इंडस ऐप बाजार जैसे उद्यमियों के लिए सही वितरण भागीदार है। श्री राकेश देशमुख ने अपने कोफ़ाउंडर्स के साथ ₹25,000 तक मुफ्त एडब्ल्यूएस क्रेडिट का स्टार्टअप समर्थन देकर इस पारिस्थितिकी तंत्र को सक्षम किया है। मध्यप्रदेश में स्थित इंदौर से, राकेश जो की इंडस ओएस के माध्यम से भारत के हृदय स्थल तक पहुँचके एक स्थायी प्रभाव लाना चाहते हैं। आईआईटी मुंबई में उनकी यात्रा शुरू हुई और इंडस ओएस उनका तीसरा साहस है । 7 वर्षों की अवधि में, कंपनी ने भारतीय उपयोगकर्ताओं के लिए स्मार्टफोन के उपयोग को बढ़ाने और भारतीय ऐप डेवलपर्स के लिए विविध अवसरों को समृद्ध करने के लिए एक समग्र मंच प्रदान कर के भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था के उत्थान के लिए सफर तय किया है। कंपनी ने ओमिडयार नेटवर्क, वेंचरइस्ट, जेएसडब्ल्यू वेंचर्स, सैमसंग इन्वेस्टमेंट वेंचर्स और एफल से निवेश प्राप्त किया है।

वर्तमान में इंडस ऐप बाज़ार वैश्विक ओईएम/टेल्को पार्टनर्स के साथ साझेदारी से काम कर रहा है, जोउन्हें मदद करेंगे, अपने उपयोगकर्ता आधार को बढ़ाने और सैमसंग उपकरणों के भीतर अपने ऐप स्टोर मुद्रीकरण चैनलों का विस्तार करने के लिए गहन राजस्व एकीकरण और साझेदारी की अनुमति देने के लिए भी काम कर रहे हैं। किसी कर्मचारी की छंटनी या वेतन कटौती के बिना ही कंपनी कोविड-19 महामारी को उत्तमता से संभालने में सक्षम रहीं।वास्तव में, कंपनी ने अपनी टीमों को विकसित करने के लिए महामारी के दौरान भी कर्मचारीयों की भर्तियां की है।

10 करोड़ अंक हासिल करने पर, श्री राकेश देशमुख, इंडस ओएस के सह-संस्थापक और सीईओ ने कहा; 'जबकि दुनिया भारतीयों को इंडस ऐप बाजार के साथ उपभोक्ताओं के रूप में देखती है, हम यह प्रदर्शित करने में सक्षम हैं कि भारत एक निर्माता बाजार भी है।विशेष रूप से भारत के लिए हमारे स्टोर पर 400,000 ऐप्स में से, विकसित और स्थानीयकृत हजारों समाधान हैं। जब पढ़ेगा भारत, तब बढ़ेगा भारत। हमारा विचार ऐप स्टोर उपयोगकर्ताओं के लिए एक पुरस्कृत अनुभव को पुनःस्थापित करना और बनाना है।हमारी दृष्टि 2023 तक टॉप ऐप और सामग्री खोज प्लेटफार्मों में से एक बनने की है।

किसान आंदोलन के बीच सरकार ने एमएसपी पर खरीदा 60 हजार करोड़ रुपये से अधिक का धान

नई दिल्ली। एजेंसी

किसान आंदोलन के बीच सरकार ने मंगलवार को कहा कि चालू खरीफ विपणन सत्र के दौरान उसने न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर अब तक 60 हजार करोड़ रुपये से अधिक खर्च कर 318 लाख टन धान की खरीद की है। यह पिछले साल की तुलना में 19 प्रतिशत अधिक है। सरकार ने कहा कि चालू खरीफ विपणन सत्र में मौजूदा योजनाओं के अनुसार न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर खरीफ फसलों की खरीद जारी रहेगी।

एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, तेलंगाना, उत्तराखंड, तमिलनाडु, चंडीगढ़, जम्मू और कश्मीर, केरल, गुजरात, आंध्र प्रदेश, ओडिशा और महाराष्ट्र में धान की खरीद सुचारू रूप से जारी है। सरकार ने इस सत्र में 30 नवंबर तक 318 लाख टन धान की खरीद की है। यह पिछले साल की समान अवधि के 268.15 लाख टन से 18.58 प्रतिशत अधिक है।

पंजाब का सबसे अधिक योगदान

एक आधिकारिक बयान में कहा गया, 'लगभग 29.70 लाख किसानों को पहले से ही 60,038.68 करोड़ रुपये के एमएसपी मूल्य के साथ चल रहे खरीफ विपणन सत्र के खरीद कार्यों से लाभान्वित किया गया है।' 318 लाख टन की कुल खरीद में से, पंजाब ने अकेले 202.77 लाख टन का योगदान दिया है, जो कुल खरीद का 63.76 प्रतिशत है।

इंटरनेट पर भारतीय भाषाओं का इस्तेमाल बढ़ाने के लिए सरकार उठा रही कई कदम

नयी दिल्ली। एजेंसी

इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय में सचिव अजय प्रकाश साहनी का कहना है कि इंटरनेट पर भारतीय भाषाओं के इस्तेमाल को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने कई पहलें शुरू की हैं। इसमें सभी सरकारी वेबसाइटों को भारतीय भाषाओं में उपलब्ध कराना शामिल है। साहनी ने मंगलवार को उद्योग जगत से ऐसे उपकरण और तकनीकें विकसित करने का आह्वान किया, जो स्थानीय भाषाओं में कंटेंट (सामग्री) की उपलब्धता बढ़ा सकें। कंपनियां इंटरनेट पर भारतीय भाषाओं के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए अभियान चलाएं। वह उद्योग मंडल फिक्की के 'भाषांतर' के तीसरे संस्करण को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, "जिन प्रौद्योगिकी, सॉफ्टवेयर इत्यादि को हम अब अंग्रेजी में उपयोग करने के अभ्यस्त हो गए हैं, मेरे हिसाब से उन्हें भारतीय भाषाओं में उपलब्ध कराने के प्रयास हमें जारी रखने चाहिए। कई बहुराष्ट्रीय और वैश्विक कंपनियों के शोध केंद्र भारत में हैं। इस काम में वे अहम भूमिका निभा सकती हैं।" सरकार भी सभी सरकारी वेबसाइटों को भारतीय भाषाओं में उपलब्ध कराने की दिशा में काम कर रही है। इसकी शुरुआत केंद्र सरकार की वेबसाइटों से की गयी है। साहनी ने कहा कि जिस तरह से नयी प्रौद्योगिकी आ रही है, हमारी कोशिश है कि सरकारी खरीद में उसका इस्तेमाल किया जाए। ऐसे में भारतीय भाषाओं में समाधान और सेवाएं देने वालों संसाधन उपलब्ध कराए जाएं, जिससे इनके इस्तेमाल की लोकप्रियता बढ़े। सरकार की कोशिश इसके लिए सरकारी ई-मार्केटप्लेस (जेम) पर पूरी एक श्रेणी तैयार करने की भी है।

विश्व का पहला मामला

कोरोना की वजह से छोटी आंत में हुआ जानलेवा गैंग्रीन, प्रत्यारोपण से मिली दूसरी ज़िन्दगी

इन्दौर। आईपीटी नेटवर्क

जब अगस्त 2020 में महाराष्ट्र के नौ वर्षीय ओम ने पेट में गंभीर दर्द होने की शिकायत की, तो उसके माता-पिता को नहीं पता था कि वह अपनी पूरी छोटी आंत खो देगा। एक स्थानीय अस्पताल में की गई जांच में उसकी छोटी आंत में थ्रॉम्बोसिस और बड़े पैमाने पर गैंग्रीन मिली, यह एक ऐसी स्थिति थी जिसमें आंत तक रक्त आपूर्ति नहीं हो पाने की वजह से आंत खराब हो गई थी। खराब आंत से उपजे गैंग्रीन को आगे फैलने से रोकने और मरीज की जान बचाने के लिए उसकी आंतों की तुरंत सर्जरी की गई।आंत को हटाने के बाद, रोगी को आगे के इलाज के लिए ठाणे के जूपिटर हॉस्पिटल में रेफर किया गया। एंटीबॉडी परीक्षण और आंत के आरटी-पीसीआर से हटाए गए अंग में कोविड संक्रमण का पता चला। इससे यह बात चली कि लड़के और उसके पिता का कोविड-19 टेस्ट एक महीने पहले हल्के लक्षणों के साथ पॉज़िटिव आया था।

जूपिटर हॉस्पिटल, पुणे में संक्रामक रोग के विशेषज्ञ, डॉ. राजीव सोमन ने कहा, 'थ्रॉम्बोसिस और बोवल परफोरेशन कोविड-19 के गंभीर होने की वजह से पैदा होते हैं; हालांकि, बड़े पैमाने पर आंतों में गैंग्रीन होना बहुत दुर्लभ है। इटली में अब तक केवल एक ही मामला सामने आया है, जिसके घातक परिणाम सामने आए हैं। इस मामले में, आंतों के गैंग्रीन के अलावा, पेट के हिस्सों में कई माध्यमिक संक्रमण थे - जिससे यह और जटिल हो गया था।'अपनी पूरी छोटे आंत को खोने पर, बच्चा कुछ भी खा नहीं पा रहा था और उसे कृत्रिम पोषण पर रखा गया था, जिसे पैरेंटल न्यूट्रिशन भी कहा जाता है। उनकी स्थिति भयावह थी क्योंकि शरीर ने काफी तरलता खो दी थी और इलेक्ट्रोलाइट का काफी नुकसान हुआ था और जूपिटर हॉस्पिटल ठाणे में मुख्य बाल रोग इंटेंसिविस्ट डॉ. परमानंद अंडंकर और बाल रोग गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट डॉ. डिंपल जैन ने इसे संभाला था।

सर्जरी के बारे में बात करते हुए, जूपिटर हॉस्पिटल के मुख्य मल्टी-ऑर्गन ट्रांसप्लांट सर्जन, डॉ. गौरव चौबल ने कहा, 'बच्चे को कैडवेरिक स्मॉल इंटेस्टाइनल ट्रांसप्लांट के लिए सूचीबद्ध किया गया था और 3 महीने तक प्रतीक्षा सूची में था। इस समय के दौरान, बच्चा खाने के लिए तरस रहा था और उसमें पैरेंटल न्यूट्रिशन से संबंधित जटिलताएं विकसित होना शुरू हो गई थी। प्रतीक्षा अवधि बच्चे के साथ-साथ परिवार के लिए भी बेहद कठिन थी। कैडवेरिक अंग के दान की कोई उम्मीद न दिखने पर, परिवार के साथ एक जीवित दाता की छोटी आंतों के प्रत्यारोपण की संभावनाओं पर चर्चा की गई। जीवित दाता सुरक्षित रूप से अपनी आंत का 40: तक दान कर सकते हैं क्योंकि शेष आंत अनुकूल कर सकती है, साथ ही सामान्य पाचन और अवशोषण कार्यों को पूरा कर सकती है। बच्चे के पिता ने स्वेच्छा से अपनी आंत का एक हिस्सा दान किया। 5 नवंबर को, डॉ. चौबल के नेतृत्व में सर्जनों की एक टीम ने सर्जरी की, जिसमें 200 सेमी आंत को सावधानीपूर्वक काटा गया और पिता से बच्चे को प्रत्यारोपित किया गया। डॉ. भाग्यश्री आरभी ने एनेस्थीसिया को संभाला, जिसके साथ 8 घंटे तक सर्जरी की गई। डोनर पूरी तरह से ठीक हो गया है। अब तक, जूपिटर हॉस्पिटल ने तीन छोटे आंतों के प्रत्यारोपण किए हैं, पहला मार्च 2020 में किया गया था। यह पश्चिमी भारत का एकमात्र केंद्र है जहां छोटी आंतों के प्रत्यारोपण किए जाते हैं और जीवित दाता की छोटी आंतों के प्रत्यारोपण करने वाला भारत का पहला केंद्र है।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक सचिन बंसल द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स, 13, प्रेस काम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 18, सेक्टर-डी-2, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, जिला इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित । संपादक- सचिन बंसल

सूचना/चेतावनी- इंडियन प्लास्ट टाइम्स अखबार के पूरे या किसी भी भाग का उपयोग, पुनः प्रकाशन, या व्यावसायिक उपयोग बिना संपादक की अनुमति के करना वर्जित है। अखबार में छपे लेख या विज्ञापन का उद्देश्य सूचना और प्रस्तुतिकरण मात्र है। अखबार किसी भी प्रकार के लेख या विज्ञापन से किसी भी संस्थान की सिफारिश या समर्थन नहीं करता है। पाठक किसी भी व्यावसायिक गतिविधि के लिए स्वविवेक से निर्णय करें। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र इंदौर, मप्र रहेगा।